राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,22 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–325 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अफसरों की मनमानी की वजह से मोहल्ला क्लीनिक में नहीं हो रहीं थीं जांच

नई दिल्ली। मोहल्ला क्लीनिक में अफसरों की मनमानी की वजह से जांच और कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही थी। दिल्ली विधानसभा की याचिका समिति ने प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारियों को बुलाकर जमकर फटकार लगाई। विधानसभा की याचिका समिति के सदस्य सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि विधान सभा की याचिका समिति ने हेल्थ और फाइनेंस विभाग के प्रमुख सचिवों को बुलाया और उनकी गवाही रिकॉर्ड की। कमेटी की कार्रवाई के दौरान सामने आया कि स्वास्थ्य विभाग ने तनख्वाह के लिए जो फाइल वित्त विभाग को भेजी थी, उसके अंदर फाइनेंस डिपार्टमेंट ने कुछ ऐसे दस्तावेज मांगे जो कि पहले कभी नहीं मांगे गए थे। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मोहल्ला क्लीनिक कर्मचारियों की तनख्वाह को फाइल-फाइल के खेल में तीन महीने तक रोका गया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीने से दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों के डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को उनका मेहनताना नहीं दिया गया। कई महीनों से टेस्ट करने वाली कंपनियों का पैसा भी रोक दिया गया, जिसके चलते उन कंपनियों ने मोहल्ला क्लिनिक के अंदर टेस्ट करने बंद कर दिए। दिल्ली में गरीब हर हफ्ते टेस्ट कराकर अपनी दवाइयों पर आश्रित हैं, उन्हें दवाइयों और जांचों से मरहूम रखा गया। दिल्ली विधानसभा में याचिका समिति ने मोहल्ला क्लीनिक कर्मचारियों का भुगतान रोकने पर वित्त और हेल्थ विभाग के अधिकारियों को तलब किया। इस दौरान दिल्ली विधानसभा की याचिका समिति के सदस्य सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले तीन महीने से दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों के अंदर डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों का मेहनताना नहीं दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कमेटी ने इसके ऊपर फैसला सुरक्षित रखा है। इन अधिकारियों से कुछ कागजात मंगाए हैं। उसके आधार पर कमेटी अपना फैसला देगी।

हरियाणा में भारत जोड़ो यात्रा

राहुल गांधी बोले- कांग्रेस शासित राज्यों में सीएम कैबिनेट के साथ हर महीने एक दिन 15 किमी. पैदल चलेंगे

चंडीगढ़। हरियाणा में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का 3 दिन का पहला फेज शुरू हो गया है। राजस्थान-हरियाणा बॉर्डर पर नूंह में भारत जोड़ो यात्रा की फ्लैग सेरेमनी हुई। राजस्थान के ष्टरू अशोक गहलोत की अगुवाई में हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान और भूपेंद्र हुड्डा को फ्लैग सौंपा गया। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि आजकल नेताओं और जनता के बीच में खाई बन गई है। यात्रा ने उस खाई को पाटने का काम किया है। यात्रा में शामिल नेता लंबे भाषण नहीं देते, लोगों से मिलते हैं। इस यात्रा ने हिंदुस्तान की राजनीति में काम करने का विजन दिया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अब महीने में एक बार पूरी कैबिनेट के साथ 15 किलोमीटर पैदल जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार है अब वहां के

मुख्यमंत्री, मंत्री सड़कों पर चलेंगे और जनता के बीच जाएंगे।

नफरत के बाजार में मुहब्बत की दुकान खोल रहा हूं

राहुल गांधी ने कहा कि मुझसे बीजेपी के नेताओं ने पूछा कि यात्रा की क्या जरूरत है?। मैंने उनको जवाब दिया कि आपके नफरत के बाजार में मुहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। जब भी यह लोग इस देश में नफरत फैलाने निकलते हैं तो हमारे विचारधारा के लोग मुहब्बत व प्यार फैलाना शुरू करते हैं। यह नई लड़ाई नहीं है यह लड़ाई हजारों साल पुरानी है। इसमें दो विचारधारा लड़ती आ रही हैं। एक विचार धारा चुने हुए लोगों को फायदा पहुंचाती है। दूसरी विचारधारा जो जनता की आवाज है उसके लिए लड़ाई करती है। यह लड़ाई चलती आ रही है चलती जाएगी।

राहुल बोले मैं तपस्वी नहीं

ठंड में यात्रा में आए लोगों का राहुल गांधी ने धन्यवाद दिया। तपस्वी कहे जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं देश का तपस्वी नहीं हूं। इस देश में मेरे से बड़े करोड़ों तपस्वी सुबह चार बजे उठकर खेतों में काम करते हैं। मैंने कोई बड़ा काम नहीं किया है। इससे बड़ा काम देश के छोटे दुकानदार, किसान और करोड़ों कामगार लोग करते हैं। राहुल ने कहा कि सड़कों पर चलने से बहुत कुछ सीखने को मिला। गाड़ी या हवाई जहाज में बैठकर सीखने को नहीं मिलता है।

महंगाई और बेरोजगारी पर राहुल का फोकस

● हरियाणा में यात्रा के पहले दिन राहुल गांधी ने अपना भाषण दो बड़े मुद्दों पर फोकस किया। पहला बेरोजगारी और दूसरा महंगाई। उन्होंने कहा कि आज हजारों पढ़े लिखे युवा बेरोजगार हैं। इसकी वजह देश के चार–पांच बड़े उद्योगपति हैं। वह जो भी चाहते हैं उन्हे मिलता है। छोटे व्यापारियों को परे कर दिया है। राहुल ने कहा कि नोट बंदी, जीएसटी पॉलिसी नहीं है यह छोटे व्यापारियों को खत्म करने का व्यापार है। महंगाई पर उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार में चार सौ रुपए का गैस सिलेंडर था अब बारह सौ का हो गया है। पेट्रोल सौ रुपए हो गया है, जबकि यूपीए में साठ रुपए का मिलता था। अब फिर से वही दौर वापस लाने की जरूरत है। राहुल गांधी ने कहा कि कोई भी ताकत इस यात्रा को रोक नहीं सकती है। यह यात्रा कांग्रेस की नहीं, यह यात्रा हिंदुस्तान के लोगों की है। करोड़ों बेरोजगार युवाओं की यह यात्रा है। पहले दिन राहुल गांधी नूंह जिले में 26 किलोमीटर पैदल चलेंगे।

एम्स के अस्पताल परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध

● श्रीनिवास द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, एम्स नई दिल्ली अस्पताल परिसर और परिसर में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुसार सिंगल–यूज़ प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाएगा। यह कदम निश्चित रूप से राष्ट्रीय प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए 3आरएस के महत्व को दोहराएगा।

नई दिल्ली: दिल्ली एम्स ने अस्पताल परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार अस्पताल कैंपस में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। श्रीनिवास द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, एम्स नई दिल्ली अस्पताल परिसर और परिसर में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियमों के अनुसार सिंगल-यूज़ प्लास्टिक (एसयूपी) वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाएगा। यह कदम निश्चित रूप से राष्ट्रीय प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए 3आरएस (कम, पुन: उपयोग, रीसायकल) के महत्व को दोहराएगा। 21.8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ भारत का प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन 2015 के आकार के दोगुने से भी अधिक बढ़ गया है। निष्कर्षों के अनुसार भारत सालाना 3.5 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है। भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई, 2022 को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2021 के कार्यान्वयन में एकल उपयोग वाली प्लास्टिक (एसयूपी) वस्तुओं के उत्पादन, आयात, भंडारण, बिक्री, वितरण और उपयोग पर रोक लगाने का प्रयास किया गया है।

फर्जी खबरें फैला रहे 3 यूट्यूब चैनलों का पर्दाफाश, सब्सक्राइबर की संख्या थी करीब 33 लाख

नई दिल्ली। फर्जी खबर फैला रहे लाखों सब्सक्राइबर वाले 3 यूट्यूब चैनलों पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसा है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पीआईबी विभाग की तरफ से ये जानकारी दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि उनकी फैक्ट चैक यूनिट ने तीन यूट्यूब चैनलों का भंडाफोड़ किया है, जो गलत सूचना फैला रहे थे। इन चैनलों के लगभग 33 लाख सब्सक्राइबर थे। इनके वीडियो को 30 करोड़ से अधिक बार देखा गया था। इन यूट्यूब चैनल के नाम न्यूज हेडलाइन्स, सरकारी अपडेट और आजतक लाइव हैं।

थंबनेल का करते थे इस्तेमाल

फर्जी सूचनाओं को फैलाने वाले इन चैनलों पर कार्रवाई की जा रहा है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि, ये यूट्यूब चैनल अपने वीडियो पर विज्ञापन दिखा रहे थे और यूट्यूब पर गलत सूचनाओं के माध्यम से कमाई कर रहे थे। ये चैनल इस तरह के थंबनेल का इस्तेमाल करते थे जिससे दर्शकों को ये विश्वास को जाए कि, उनकी तरफ से साझा की गई खबर प्रामाणिक है। इससे पहले फर्जी खबरें फैलाने वाले सौ से अधिक यूट्यूब चैनलों को पिछले एक वर्ष में ब्लॉक किया गया है।

इन चैनलों के लगभग 33 लाख सब्सक्राइबर थे। इनके वीडियो को 30 करोड़ से अधिक बार देखा गया था। इन यूट्यूब चैनल के नाम न्यूज हेडलाइन्स, सरकारी अपडेट और आजतक लाइव हैं।

प्रसारित किए गए झूठे और सनसनीखेज वीडियो

मंत्रालय के मुताबिक इन यूट्यूब चैनलों में दावा किया जा रहा था कि मुख्य न्यायाधीश के आदेशानुसार चुनाव बैलट पेपर से होंगे। एक वीडियो में कहा गया कि मुख्य न्यायाधीश ने प्रधानमंत्री के खिलाफ कड़ी कारवाई की है और उन्हें दोषी घोषित किया है। कुछ वीडियो में ये यूट्यूब चैनल सुप्रीम कोर्ट, भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, सरकारी योजनाओं, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, कृषि ऋण माफी जैसे तमाम मामलों के बारे में झूठे और सनसनीखेज दावे फैला रहे थे।

किया गया बड़ा दावा-इतना ही नहीं एक वीडियो में तो यहां तक दावा किया गया कि, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है और कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, उप्र में रात को रोडवेज बसें न चलाने का फैसला

नई दिल्ली। इस समय समूचा उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह कई स्थानों पर कोहरा छाया रहा। सुबह आठ बजे के बाद तक आसमान में सूरज की लुकाछुपी जारी रही।

मौसम विज्ञान विभाग का अगले कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने का पूर्वानुमान है। इसका असर हवाई, रेल और बस सेवा पर पड़ा है। मंगलवार रात चंडीगढ़, वाराणसी और लखनऊ में खराब मौसम के कारण उड़ानों को डायवर्ट किया गया। कई ट्रेनें देरी से चल रही है। मौसम के बदले मिजाज की वजह से उत्तर प्रदेश शासन ने रात को रोडवेज

बसों को नही चलाने का फैसला लिया है।

मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर भारतीय राज्यों में ठंड का रेड अर्लट जारी किया है। साथ ही दिल्ली के लिए 23 दिसंबर तक का येलो अलर्ट जारी किया है। यानी इस दौरान सुबह बाहर निकलते वक्त खास ध्यान रखने की जरूरत है।

2024 के लिए केसीआर का बड़ा प्लान, 6 राज्यों में लॉन्च होगी किसान सेल

हैदराबाद। 2024 के आम चुनाव के लिए तेलंगाना के सीएम केसीआर बड़ी रणनीति के तहत काम कर रहे हैं। वह किसानों के मुद्दों को आगे रखकर 2024 का रास्ता देख रहे हैं। इसी क्रम में उन्होने अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति की पुनर्सरंचना करके इसका नाम भारत राष्ट्र समिति कर दिया था। अब वह 6 अन्य राज्यों में अपने नेटवर्क फैलान का प्लान बना चुके हैं। केसीआर ने बीआरएस किसान सेल बनाने का ऐलान किया है जो कि पार्टी की किसान विंग होगी। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पार्टी अपनी किसान विंग बनाएगी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि राज्यों में किसान सेल बनाना बीआरएस के नारे अबकी बार, किसान सरकार को बल देता है। पूरे देश में पार्टी के विस्तार का यह पहला कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने क्रिसमस के दौरान राज्यों में बीआरएस की गतिविधियां बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने दावा किया

कि बहुत सारे पूर्व विधायक, सीनियर नेता अपनी टीम के साथ बीआरएस में आना चाहते हैं और वे केसीआर के साथ बातचीत कर रहे हैं। पार्टी के प्रवक्ता के मुताबिक पड़ोसी आंध्र प्रदेश के भी कई नेता केसीआर के संपर्क में हैं और उन्होंने बीआरएस के साथ काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, बीआरएस किसान सेल की लॉन्चिंग के लिए एक मंच तैयार किया गया है। कई जिलों में इसके लिए इंतजाम किए गए हैं। वहीं महाराष्ट्र, ओडिशा, कर्नाटक और अन्य राज्यों के कई लोग भी इसमें शामिल होने की इच्छा जता रहे हैं।

बीआरएस अध्यक्ष लेखकों, साहित्यिक हस्तियों और गीतकारों से भी बात कर रहे हैं। बीआरएसके की गतिविधियों में 70-80 जानीमानी हस्तियां भी शामिल होंगी। साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए भी बीआरएस की विचारधारा का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

भगवंत मान से मिले केसीआर-इसी बीच पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ भी केसीआर ने दिल्ली में मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मान केसाथ देश के हालात, पंजाब में प्रशासन और तेलंगाना की प्रगति के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। मान ने केसीआर को शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर बीआरएस के अभियान के लिए बधाई दी।

संसदीय समिति की सिफारिश- हवाई अड्डों पर सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की जरूरत

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने सुझाव दिया है कि भारत के सभी हवाई अड्डों पर त्रुटिहीन सुरक्षा प्रणाली के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समाधान (टेक्नोलाजिकल सोल्यूशंस) होना चाहिए तथा बम निष्क्रिय दस्तों को और अधिक हवाई अड्डों पर तैनात किया जाना चाहिए। वाईएसआर कांग्रेस के नेता वी विजयसाई रेड्डी की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति की सिफारिशों पर सरकार द्वारा गई कार्रवाई के बारे में संसद में पेश की गई रिपोर्ट में यह बात कही गयी है।

समिति ने इससे पूर्व नागरिक विमानन क्षेत्र में सुरक्षा के संबंध में अपने सुझाव दिए थे। पर्यटन, परिवहन एवं संस्कृति विभाग से संबंधित इस समिति ने इससे पहले सुझाव दिया था कि और अधिक हवाई अड्डों पर बम निष्क्रिय दस्ते होने चाहिए। सरकार ने अपने जवाब में समिति को सूचित किया कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के तहत आने वाले हवाई अड्डों के लिए नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने नियामक प्रविधानों की सिफारिश की है।

सरकार ने कहा, सभी नए प्रस्तावों में बम निष्क्रिय दस्तों के प्रविधान को शामिल किया गया है। हवाई अड्डों पर भी क्रमबद्ध ढंग से बम

निष्क्रिय दस्तों को सहयोग प्रदान किया जा रहा है। यद्यपि समिति की सिफारिशों को क्रियान्वयन के लिए संज्ञान में लिया गया है। सरकार के जवाब पर संज्ञान लेते हुए समिति ने इस बात पर चिंता जताई कि 44 हवाई अड्डों पर बम निष्क्रिय दस्ते नहीं हैं, जो प्रमुख सुरक्षा खतरा बन सकता है। समिति ने ध्यान दिलाया कि महज एक हवाई अड्डा भी समूचे भारतीय वायुक्षेत्र के लिए कमजोर कड़ी बन सकता है।

संपर्क को बढ़ावा देने के लिए सी-प्लेन नीति पर जोर-समिति ने नागरिक विमानन मंत्रालय से कहा कि वह तेजी से सी-प्लेन नीति तैयार करे और हवाई अड्डों के साथ-साथ विमानन कंपनियों को भी निर्देश दे कि वे दिव्यांग लोगों को विमान में सवार होने के लिए सहायता मुहैया कराएं। इस साल मार्च में, मंत्रालय ने लघु विमान योजना (एसएएस) शुरू की जिसमें सी-प्लेन का संचालन शामिल है। समिति ने कहा कि सी-प्लेन नीति को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

समिति ने रिपोर्ट में कहा, विभिन्न हितधारकों के परामर्श से एक सी-प्लेन नीति तेजी से तैयार की जा सकती है, जो देश के दूर-दराज और अंतिम छोर के क्षेत्रों में रहने वाले आम लोगों तक हवाई संपर्क प्रदान करेगी। समिति ने कहा कि वह दृढ़ता से सिफारिश करती है कि मंत्रालय कम से कम सभी हवाई अड्डों/एयरलाइनों को आवश्यक निर्देश जारी करे कि वे वृद्ध/दिव्यांग यात्रियों को यात्री बोर्डिंग रैंप, व्हीलचेयर और हाइड्रोलिक लिफ्ट के उपयोग के साथ विमान में चढ़ने के लिए सहायता प्रदान करें।

संपादकीय

यूएन में खरी-खरी

हाल के दिनों में भारतीय सेना व सुरक्षा बलों की मुस्तैदी से घुसपैठ रोकने में मिली कामयाबी के बाद पाक लगातार ड्रोन के जरिये अपने घातक मंसूबों को अंजाम दे रहा है। इतना ही नहीं वह लगातार नशे व नकली नोटों की खेप भारत भेज रहा है। वहीं चीन अपने मोहरे पाक के अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के निशाने पर आए कुख्यात आतंकवादियों को वीटो की ताकत से संरक्षण देता रहा है।

सुधारों से ही भारत की बड़ी भूमिका संभव/ सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने के अवसर का सदुपयोग करते हुए भारत ने प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले पाकिस्तान व चीन को कड़ा संदेश दिया है। गाहे-बगाहे कश्मीर के मुद्दे पर भारत को घेरने की कोशिश करने वाले पाक को एक अंतर्राष्ट्रीय मंच से सख्त संदेश देना वक्त की जरूरत थी। वहीं दूसरी ओर यह तथ्य किसी से नहीं छिपा है कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर व पंजाब की सीमाओं के जरिये लगातार आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता रहा है। हाल के दिनों में भारतीय सेना व सुरक्षा बलों की मुस्तैदी से घुसपैठ रोकने में मिली कामयाबी के बाद पाक लगातार ड्रोन के जरिये अपने घातक मंसूबों को अंजाम दे रहा है। इतना ही नहीं वह लगातार नशे व नकली नोटों की खेप भारत भेज रहा है। वहीं चीन अपने मोहरे पाक के अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के निशाने पर आए कुख्यात आतंकवादियों को वीटो की ताकत से संरक्षण देता रहा है। हाल के वर्षों में पाक पोषित कुख्यात आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद व लश्कर-ए-तैयबा के कुख्यात आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने के भारतीय व अमेरिकी प्रयासों में चीन बाधा डालता रहा है। ये अतिवादी भारत में बड़ी आतंकवादी घटनाओं में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से शामिल रहे हैं। यही वजह है कि अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक जगत में प्रतिष्ठा पाने वाले विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन को दो टूक शब्दों में स्पष्ट संदेश भी दिया कि कोई भी देश संयुक्त राष्ट्र जैसे प्रतिष्ठित व बहुपक्षीय मंच का उपयोग कूटनीतिक व सामरिक हितों को साधने के लिये नहीं कर सकता। फिलहाल एक वर्ष तक जब तक सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता का अवसर भारत के पास है, हमारे लिए चीन-पाक के अपवित्र गठबंधन को तार्किक ढंग से बेनकाब करना समय की जरूरत है। भारत संयुक्त राष्ट्र पर सात दशक बाद भी मुट्ठीभर देशों के वर्चस्व को लगातार चुनौती देता रहा है। भारत का मानना रहा है कि संयुक्त राष्ट्र और इसके आनुषंगिक संगठनों का स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए। दरअसल, आज भी इस बहुपक्षीय मंच पर चुनींदा स्थायी सदस्यता वाले देशों ने कब्जा बना रखा है। बदलते वक्त की मांग है कि दुनिया के बड़ी आबादी व विशाल अर्थव्यवस्था वाले देशों को भी स्थायी सदस्य बनने का मौका मिलना चाहिए। यही वजह है कि भारत दुनिया के तमाम देशों में अपनी दावेदारी के समर्थन में लंबे समय से लगातार मुहिम चलाता रहा है। निस्संदेह, भारत को मिली सुरक्षा परिषद की अस्थायी अध्यक्षता का पूरा लाभ संयुक्त राष्ट्र में सुधारों के लिये विश्व जनमत तैयार करने के लिये किया जाना चाहिए। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि वैश्विक पटल पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर जोरदार ढंग से अपनी बात को रखते हैं। वे बिना किसी लाग-लपेट के खरी-खरी कहने के लिये जाने जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि गहराई से देखें तो वैश्विक परिदृश्य में नाटकीय बदलाव सामने आए हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र में सुधारों पर होने वाली बहस लक्ष्यहीन हो चली है। यही वजह है कि सुधारों के लिये वर्किंग ग्रुप के गठन के तीन दशक बाद भी अपेक्षित लक्ष्यों को हासिल नहीं किया जा सका है। जिसकी मूल वजह यह है कि स्थायी सदस्यता वाले देशों ने नई व्यवस्था में ताकतवर बनकर उभरे देशों को आगे आने का मौका देने के प्रति ईमानदारी नहीं दिखाई है।

सूक्ति

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है।
- अज्ञात

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है।
- मैक्स लर्नर

लॉफिंग ज़ोन

पुलिस ने एक चोर को पकड़ा। तब पुलिस के पास हथकड़ी नहीं थी। चोर ने कहा, 'मैं हथकड़ी लेकर आता हूं। आप यही रूकिए।' पुलिस वाला बोला। 'मुझे बेवकूफ बनाता है? तू यही रूक मैं हथकड़ी लेकर आता हूं।'

□ □ □

अध्यापक (सोना से), 'तुम्हारे पिता जी का नाम क्या हैं?'
सोना, 'बेटा शाम लाल।'
अध्यापक, 'यह कैसा नाम?' सोना, 'पता नहीं। दादी उन्हें यही कह कर बुलाती हैं।'

□ □ □

कंजूस सेठ नौकर से, 'मुझे नौकर तो चाहिए पर बहुत कंजूस।'
नौकर ने कहा, 'साहब मैं तो कंजूसी में माहिर हूं। मैं इसी कारण तो पिछले घर से बाहर हुआ।'
सेठ ने पूछा, 'कैसे?'
'साहब मैं अपने कपड़े फटने एंव गंदे होने के डर से पहनता ही नहीं था।'
सेठ चौका, 'क्या?'
नौकर ने कहा, 'नहीं-नहीं, कपड़े तो पहनता था पर मालिक के चुराकर।'

□ □ □

ग्राहक, 'क्यों भई, ये टमाटर ताजा हैं न?'
दुकानदार, 'बिलकुल ताजा हैं, साहब दस दिन से बेच रहा हूं।'

अद्वितीय प्रतिभा के धनी युवा गणिताचार्य

श्रीनिवास रामानुजन् जन्म जयंती (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

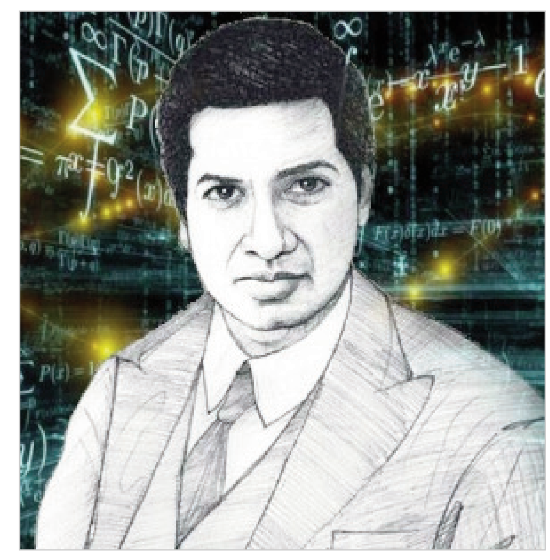

श्रीनिवास रामानुजन् इयंगर ((22 दिसम्बर 1887 – 26 अप्रैल 1920) एक महान भारतीय गणितज्ञ थे. इन्हें आधुनिक काल के महानतम् गणित विचारकों में गिना जाता है। इन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला फिर भी इन्होंने विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए। इन्होंने अपने प्रतिभा और लगन से न केवल गणित के क्षेत्र में अद्भुत अविष्कार किए वरन भारत को अतुलनीय गौरव भी प्रदान किया। ये बचपन से ही विलक्षण प्रतिभावान थे। इन्होंने खुद से गणित सीखा और अपने जीवनभर में गणित के 3 884 प्रमेयों का संकलन किया। इनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किये जा चुके हैं। इन्होंने गणित के सहज ज्ञान और बीजगणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारम्परिक परिणाम निकाले जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो रहा है यद्यपि इनकी कुछ खोजों को गणित मुख्यधारा में अब तक नहीं अपनाया गया है। हाल में इनके सूत्रों को क्रिस्टल-विज्ञान में प्रयुक्त किया गया है। इनके कार्य से प्रभावित गणित के क्षेत्रों में हो रहे काम के लिये रामानुजन जर्नल की स्थापना की गई है।

आरंभिक जीवनकाल

रामानुजन का जन्म 22 दिसम्बर 1887 को भारत के दक्षिणी भूभाग में स्थित कोयम्बटूर के ईरोड नामके गांव में हुआ था। वह पारम्परिक ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे। इनकी माता का नाम कोमलताम्मल और इनके पिता का नाम श्रीनिवास अय्यंगर था। इनका बचपन मुख्यतः कुंभकोणम में बीता था जो कि अपने प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। बचपन में रामानुजन का बौद्धिक विकास सामान्य बालकों जैसा नहीं था। यह तीन वर्ष की आयु तक बोलना भी नहीं सीख पाए थे। जब इतनी बड़ी आयु तक जब रामानुजन ने बोलना आरंभ नहीं किया तो सबको चिंता हुई कि कहीं यह गूंगे तो नहीं हैं। बाद के वर्षों में जब उन्होंने विद्यालय में प्रवेश लिया तो भी पारम्परिक शिक्षा में इनका कभी भी मन नहीं लगा। रामानुजन ने दस वर्षों की आयु में प्राइमरी परीक्षा में पूरे जिले में सबसे अधिक अङ्क प्राप्त किया और आगे की शिक्षा के लिए टाउन हाईस्कूल पहुंचे। रामानुजन को प्रश्न पूछना बहुत पसंद था। उनके प्रश्न अध्यापकों को कभी-कभी बहुत अटपटे लगते थे। जैसे कि-संसार में पहला पुरुष कौन था? पृथ्वी और बादलों के बीच की दूरी कितनी होती है? रामानुजन का व्यवहार बड़ा ही मधुर था। इनका सामान्य से कुछ अधिक स्थूल शरीर और जिज्ञासा से चमकती आखें इन्हें एक अलग ही पहचान देती थीं। इनके सहपाठियों के अनुसार इनका व्यवहार इतना सौम्य था कि कोई इनसे नाराज हो ही नहीं सकता था। विद्यालय में इनकी प्रतिभा ने दूसरे विद्यार्थियों और शिक्षकों पर छाप छोड़ना आरंभ कर दिया। इन्होंने स्कूल के समय में ही कालेज के स्तर के गणित को पढ़ लिया था। एक बार इनके विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने यह भी कहा था कि विद्यालय में होने वाली परीक्षाओं के मापदंड रामानुजन के लिए लागू नहीं होते हैं। हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इन्हें गणित और अंग्रेजी मे अच्छे अंक लाने के कारण सुब्रमण्यम छात्रवृत्ति मिली और आगे कालेज की शिक्षा के लिए प्रवेश भी मिला। आगे एक परेशानी आई। रामानुजन का गणित के प्रति प्रेम इतना बढ़ गया था कि वे दूसरे विषयों पर ध्यान ही नहीं देते थे। यहां तक की वे इतिहास जीव विज्ञान की कक्षाओं में भी गणित के प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित को छोड़ कर बाकी सभी विषयों में फेल हो गए और परिणामस्वरूप उनको छात्रवृत्ति मिलनी बंद हो गई। एक तो घर की आर्थिक स्थिति खराब और ऊपर से छात्रवृत्ति भी नहीं मिल रही थी। रामानुजन के लिए यह बड़ा ही कठिन समय था। घर की स्थिति सुधारने के लिए इन्होने गणित के कुछ ट्यूशन तथा खाते-बही का काम भी किया। कुछ समय बाद 1907 में रामानुजन ने फिर से बारहवीं कक्षा की प्राइवेट परीक्षा दी और अनुत्तीर्ण हो गए। और इसी के साथ इनके पारंपरिक शिक्षा की इतिश्री हो गई। इस समय भारतीय और पश्चिमी रहन सहन में एक बड़ी दूरी थी और इस वजह से सामान्यतः भारतीयों को अंग्रेज वैज्ञानिकों के सामने अपने बातों को प्रस्तुत करने में काफी संकोच होता था। इधर स्थिति कुछ ऐसी थी कि बिना किसी अंग्रेज गणितज्ञ की सहायता लिए शोध कार्य को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता था। इस समय रामानुजन के पुराने शुभचिंतक इनके काम आए और इन लोगों ने रामानुजन द्वारा किए गए कार्यों को लंदन के प्रसिद्ध गणितज्ञों के पास भेजा। पर यहां इन्हें कुछ विशेष सहायता नहीं मिली लेकिन एक लाभ यह हुआ कि लोग रामानुजन को थोड़ा बहुत जानने लगे थे। इसी समय रामानुजन ने अपने संख्या सिद्धांत के कुछ सूत्र प्रोफेसर शेषू अय्यर को दिखाए तो उनका ध्यान लंदन के ही प्रोफेसर हार्डी की तरफ गया। प्रोफेसर हार्डी उस समय के विश्व के प्रसिद्ध गणितज्ञों में से एक थे। और अपने सख्त स्वभाव और अनुशासन प्रियता के कारण जाने जाते थे। प्रोफेसर हार्डी के शोधकार्य को पढ़ने के बाद रामानुजन ने बताया कि उन्होने प्रोफेसर हार्डी के अनुत्तरित प्रश्न का उत्तर खोज निकाला है। अब रामानुजन का प्रोफेसर हार्डी से पत्रव्यवहार आरंभ हुआ। अब यहां से रामानुजन के जीवन में एक नए युग का सूत्रपात हुआ जिसमें प्रोफेसर हार्डी की बहुत बड़ी भूमिका थी। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जिस तरह से एक जौहरी हीरे की पहचान करता है और उसे तराश कर चमका देता है रामानुजन के जीवन में वैसा ही कुछ स्थान प्रोफेसर हार्डी का है। प्रोफेसर हार्डी आजीवन रामानुजन की प्रतिभा और जीवन दर्शन के प्रशंसक रहे। रामानुजन और प्रोफेसर हार्डी की यह मित्रता दोनो ही के लिए लाभप्रद सिद्ध हुई। एक तरह से देखा जाए तो दोनो ने एक दूसरे के लिए पूरक का काम किया। प्रोफेसर हार्डी ने उस समय के विभिन्न प्रतिभाशाली व्यक्तियों को 100 के पैमाने पर आंका था। अधिकांश गणितज्ञों को उन्होने 100 में 35 अंक दिए और कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को 60 अंक दिए। लेकिन उन्होंने रामानुजन को 100 में पूरे 100 अंक दिए थे। कुछ व्यक्तिगत कारणों और धन की कमी के कारण रामानुजन ने प्रोफेसर हार्डी के कैंब्रिज के आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। प्रोफेसर हार्डी को इससे निराशा हुई लेकिन उन्होनें किसी भी तरह से रामानुजन को वहां बुलाने का निश्चय किया। इसी समय रामानुजन को मद्रास विश्वविद्यालय में शोध वृत्ति मिल गई थी जिससे उनका जीवन कुछ सरल हो गया और उनको शोधकार्य के लिए पूरा समय भी मिलने लगा था। इसी बीच एक लंबे पत्रव्यवहार के बाद धीरे-धीरे प्रोफेसर हार्डी ने रामानुजन को कैंब्रिज आने के लिए सहमत कर लिया। प्रोफेसर हार्डी के प्रयासों से रामानुजन को कैंब्रिज जाने के लिए आर्थिक सहायता भी मिल गई। रामानुजन ने इंग्लैण्ड जाने के पहले गणित के करीब 3000 से भी अधिक नये सूत्रों को अपनी नोटबुक में लिखा था। रामानुजन ने लंदन की धरती पर कदम रखा। वहां प्रोफेसर हार्डी ने उनके लिए पहले से व्यवस्था की हुई थी अतः इन्हें कोई विशेष परेशानी नहीं हुई। इंग्लैण्ड में रामानुजन को बस थोड़ी परेशानी थी और इसका कारण था उनका शर्मीला शांत स्वभाव और शुद्ध सात्विक जीवनचर्या। अपने पूरे इंग्लैण्ड प्रवास में वे अधिकांशतः अपना भोजन स्वयं बनाते थे। इसके बाद वहां रामानुजन को रॉयल सोसाइटी का फेलो नामित किया गया। ऐसे समय में जब भारत गुलामी में जी रहा था तब एक अश्वेत व्यक्ति को रॉयल सोसाइटी की सदस्यता मिलना एक बहुत बड़ी बात थी। रॉयल सोसाइटी के पूरे इतिहास में इनसे कम आयु का कोई सदस्य आज तक नहीं हुआ है। पूरे भारत में उनके शुभचिंतकों ने उत्सव मनाया और सभाएं की। रॉयल सोसाइटी की सदस्यता के बाद यह ट्रिनीटी कॉलेज की फेलोशिप पाने वाले पहले भारतीय भी बने। अब ऐसा लग रहा था कि सब कुछ बहुत अच्छी जगह पर जा रहा है। लेकिन रामानुजन का स्वास्थ्य गिरता जा रहा था और अंत में डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें वापस भारत लौटना पड़ा। भारत आने पर इन्हें मद्रास विश्वविद्यालय में प्राध्यापक की नौकरी मिल गई। और रामानुजन अध्यापन और शोध कार्य में पुनः रम गए। भारत लौटने पर भी स्वास्थ्य ने इनका साथ नहीं दिया और हालत गंभीर होती जा रही थी। इस बीमारी की दशा में भी इन्होने मॉक थीटा फंक्शन पर एक उच्च स्तरीय शोधपत्र लिखा। रामानुजन द्वारा प्रतिपादित इस फलन का उपयोग गणित ही नहीं बल्कि चिकित्साविज्ञान में कैंसर को समझने के लिए भी किया जाता है।

मृत्यु

इनका गिरता स्वास्थ्य सबके लिए चिंता का विषय बन गया और यहां तक की अब डॉक्टरों ने भीजवाब दे दिया था। अंत में रामानुजन के विदा की घड़ी आ ही गई। 26 अप्रैल1920 के प्रातः काल में वे अचेत हो गए और दोपहर होते होते उन्होने प्राण त्याग दिए। इस समय रामानुजन की आयु मात्र 33 वर्ष थी। इनका असमय निधन गणित जगत के लिए अपूरणीय क्षति था। पूरे देश विदेश में जिसने भी रामानुजन की मृत्यु का समाचार सुना वहीं स्तब्ध हो गया।

जुनून को हुनर बनाकर नाम और दाम

अंतर्मन/ रेनू सैनी

किसी भी कार्य में सफलता की पहली शर्त है जुनून। जुनून का अर्थ होता है किसी कार्य में खो जाना या पूरी तरह डूब जाना। जब कोई व्यक्ति किसी कार्य में तन-मन से लग जाता है तो फिर उसे उस कार्य को करने में न केवल आनंद आने लगता है, बल्कि वह उस कार्य में महारत भी हासिल कर लेता है। आपने देखा होगा कि कई बार होशियार लोग नौकरी या परीक्षा में असफल हो जाते हैं, वहीं औसत दर्जे के लोग नौकरी या परीक्षा में आशातीत सफलता प्राप्त करते हैं। दरअसल, वे औसत दर्जे के लोग जुनून के साथ परीक्षा या नौकरी की तैयारी में लगते हैं, वहीं होशियार लोगों को लगता है कि वे तो प्रवीण एवं बुद्धिमान हैं, इसलिए सफलता उन्हें मिलेगी ही। लेकिन हर बार ऐसा नहीं होता। कई जगह पर सफलता जुनून से मिलती है। जो लोग जुनून के साथ टिककर एक कार्य पर फोकस करते हैं, वे कामयाब हो जाते हैं। जनरल जॉर्ज एस. पैटन कहते हैं कि, 'आपको एक बार में एक ही चीज़ पर ध्यान लगाना चाहिए। एक चीज को तय करके उसी के अनुरूप चलें।' अमेरिका के एक महान चित्रकार पैट मैथ्यूज़ ने हर दिन एक नया चित्र बनाकर चित्रकारी के प्रति अपने जुनून को पहले हुनर में और बाद में व्यवसाय में बदला। इटली के सफलतमे टूरिस्ट गाइड एंजेलो अमोरिको को अपने देश इटली से बहुत लगाव था। उन्होंने अपने देश से संबंधित हर तरह की जानकारी प्राप्त की। अपने इस ज्ञान को दूसरों को बांटा। वे ऐसा तब तक करते रहे, जब तक ये सब उनका जुनून नहीं बन गया। उन्होंने अपने इस जुनून को हुनर बनाया, फिर इस हुनर को उन्होंने गाइड के रूप में अपनाया। जुनून और हुनर से मिलकर बना उनका गाइड का व्यवसाय बेहद सफल हो गया। आज उनका गाइड का व्यवसाय दूसरों के लिए एक मिसाल है। दरअसल, बिताया गया समय धीरे-धीरे हुनर में बदलता जाता है और जब हुनर निखर जाता है तो इसके परिणाम भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। असाधारण सफलताओं का जुनून और हुनर यही गुणात्मक चक्र है। जितना अधिक जुनून होगा, हुनर उतना अधिक निखरता चला जाएगा। कई बार जुनून व्यक्ति को न केवल मुसीबत से बचाता है, बल्कि उसके जीवन की भी रक्षा करता है। गिल्बर्ट टुहाबोनई का बचपन से केवल एक जुनून था दौड़ना... दौड़ना और केवल दौड़ना। उनका जन्म बुरुंडी में वर्ष 1974 में हुआ था। वे लंबी दूरी के धावक हैं। रनिंग ट्रैक के प्रति लगाव ने उन्हें उच्चतर माध्यमिक कक्षा में ही लड़कों की 400 मीटर और 800 मीटर की दौड़ में बुरुंडी का राष्ट्रीय विजेता बना दिया था। उनके इसी जुनून ने उनकी जान भी बचाई। 21 अक्तूबर, 1993 को हुतू कबीले के लोगों ने गिल्बर्ट के स्कूल पर आक्रमण कर दिया और तुत्सी जनजाति के विद्यार्थियों को कब्जे में ले लिया। फिर पास की एक इमारत में जिंदा जला दिया गया। दुर्भाग्यवश गिल्बर्ट टुहानबोई भी उन विद्यार्थियों में से एक थे। ऐसे भयावह दृश्य देखकर कोई भी इंसान भय से जड़ हो जाता। लेकिन उन्होंने अपरहरणकर्ताओं को चकमा दिया और किसी तरह वहां से निकल कर वह दौड़ लगाई कि सीधा अस्पताल में जाकर रुके। उस घटना में वे एकमात्र ऐसे विद्यार्थी थे जो जीवित बचे थे। उन्हें नया जीवनदान मिला था। स्वयं को जीवित देखकर गिल्बर्ट ने सबसे पहले अपने दौड़ने के जुनून को धन्यवाद दिया और फिर इस जुनून को हुनर में बदल दिया। इसके बाद वे अनेक स्पर्धाओं में भाग लेने लगे। एबिलिन क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी में प्रवेश पाने के बाद उन्हें छह बार ऑल अमेरिका सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके बाद वे ऑस्टिन चले गए और आज वे दौड़ के सबसे लोकप्रिय कोच हैं। आज वे केवल एक कोच के रूप में ही नहीं, बल्कि समाजसेवक, लेखक और प्रेरक वक्ता के रूप में अपनी एक पुख्ता पहचान बना चुके हैं। बुरुंडी में पानी की कमी के प्रति उन्होंने लोगों को जागरूक बनाने के लिए गैजेल फाउंडेशन की स्थापना भी की है। उनके जीवन की सफलता दौड़ का जुनून है, जो हुनर में बदल गई।

(चिंतन-मनन)

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे- इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। विशिष्ट ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेढक निकले। रामदास ने पूछा - शिवाजी ! इनका लालन-पालन कौन करता है?

शिवाजी - इनका पोषण प्रकृति से होता है करता कोई नहीं।

रामदासजी- और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है?

शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले- गुरुदेव! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर-चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था मैं किसका पालन कर सकता हूं? कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य प्रामाणिकता और चरित्र-निष्ठा से काम करे पर मिथ्या अभिमान न करे। कुछ लोग सोचते हैं-हम ही सब कुछ करने वाले हैं। हम जमीन-आसमान एक कर देंगे। यही अहं भाव व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने देता।

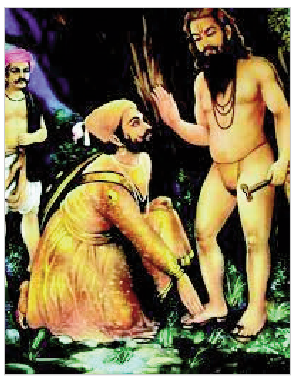

सोने और चांदी में तेजी आई

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुरुआती कारोबार में सोना 0.05 फीसदी ऊपर आया। वहीं चांदी 0.12 फीसदी ऊपर आयी है। वहीं गत दिवस एमसीएक्स पर सोना 1.08 फीसदी और चांदी 3.14 फीसदी ऊपर आकर बंद हुए थे। बुधवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव कल के बंद भाव से 25 रुपये उछलकर 54923 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गयी। चांदी का भाव 85 रुपये ऊपर आकर 69727 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया। इससे पहले गत दिवस चांदी 2118 रुपये की तेजी के साथ 69630 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल रहा। चांदी के दाम 4 फीसदी से ज्यादा उछल गये जबकि सोने की कीमतें कल के बंद भाव के मुकाबले 1.56 फीसदी बढ़कर 1815.13 डॉलर प्रति औंस हो गयीं।

एप्पल ने अमेरिका में एम1 मैक डेस्कटॉप के लिए सेल्फ-रिपेयर प्रोग्राम का विस्तार किया

सैन फ्रांसिस्को। टेक जायंट ऐप्पल ने यूएस में एम 1-संचालित मैक डेस्कटॉप के लाइनअप में अपने स्वयं सेवा मरम्मत कार्यक्रम का विस्तार किया है।द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, ग्राहक अब आईमैक, मैक मिनी और मैक स्टूडियो के लिए असली रिपेयर पार्ट्स ऑर्डर कर सकते हैं। उपयोगकर्ता इन सभी प्रोडक्ट्स के लिए कंपनी की वेबसाइट पर रिपेयर मैनुअल का कलेक्शन ब्राउज कर सकते हैं और यदि वे स्वयं सर्विस रिपेयर कार्यक्रम का लाभ लेना चाहते हैं तो मैनुअल के माध्यम से जा सकते हैं। कुछ भागों की लागत उपयोगकर्ताओं को रिपेयर करने से हतोत्साहित कर सकती है, यदि वे निर्देशों में जो देखते हैं वह उन्हें डराता नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यक्रम में स्टूडियो डिस्प्ले भी जोड़ा गया है। तकनीकी दिग्गज ने नैनो-टेक्सचर डिस्प्ले रिप्लेसमेंट को 967.12 डॉलर के रूप में सूचीबद्ध किया है, जो उपयोगकर्ताओं द्वारा अपनी मूल टूटी हुई स्क्रीन को वापस करने के बाद 879.12 डॉलर पर आ गया। टूल किट किराए पर लेने की कीमत 49.00 डॉलर है, हालांकि उपयोगकर्ता सब कुछ वापस करने के बाद उसके लिए रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। यदि उपयोगकर्ता का स्टूडियो डिस्प्ले मूल रूप से मैट विकल्प के साथ आता है और इसके विपरीत, उपयोगकर्ताओं को ग्लॉसी रिप्लेसमेंट डिस्प्ले ऑर्डर करने की अनुमति नहीं है। एप्पल ने अपना सेल्फ-सर्विस रिपेयर प्रोग्राम अगस्त में हाल के आईफोन्स के साथ शुरू किया था।

गूगल ने पेश किया नया परचेज रिक्वेस्ट फीचर

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने नया परचेस रिक्वेस्ट फीचर जोड़ा है जो परिवारों को बच्चों की खरीदारी को स्वीकार या अस्वीकार करने का विकल्प प्रदान करेगा।टेक दिग्गज ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, परचेस रिक्वेस्ट से परिवारों के लिए भुगतान किए गए ऐप और इन-ऐप खरीदारी दोनों को सुरक्षित रूप से खरीदना आसान हो जाएगा। यदि उपयोगकर्ताओं के पास परिवार पैमेंट मेथड सेट अप नहीं है, तो 13 वर्ष से कम आयु के बच्चे सीधे परिवार प्रबंधक को परचेस रिक्वेस्ट भेज सकेंगे। उपयोगकर्ता तब अपने डिवाइस पर एप्लिकेशन या इन-ऐप खरीदारी के बारे में अनुरोध और महत्वपूर्ण जानकारी का मूल्यांकन कर सकते हैं और तय कर सकते हैं कि खरीदारी पूरी होनी चाहिए या नहीं। यदि वे खरीदारी पूरी करने का निर्णय लेते हैं, तो वे गूगल प्ले गिफ्ट कार्ड सहित अपनी स्वयं की स्टोर्ड पैमेंट मेथड्स का उपयोग कर सकते हैं। परिवार प्रबंधकों को इन परचेस रिक्वेस्ट के लिए रीयल-टाइम सूचनाएं प्राप्त होंगी, लेकिन बाद में निर्णय लेने के लिए वे इसे अप्रूवल रिक्वेस्ट क्यू में भी देख सकते हैं।

अर्थव्यवस्था मजबूत पर वैश्विक कारणों का पड़ सकता है असर, RBI गवर्नर ने क्रिप्टो पर फिर जताई चिंता

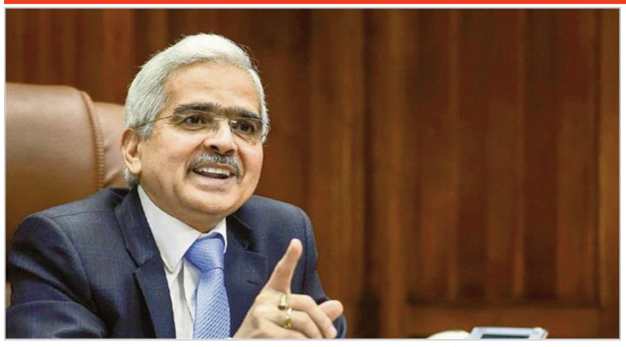

नई दिल्ली : (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर देश की इकोनॉमी पर एक बार फिर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि भारत की अंतर्निहित आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, और आने वाले समय में भी इसके मजबूत बने रहने की संभावना है। हालांकि आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा है कि देश के बाहरी कारक अर्थव्यवस्था को कुछ नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनमें जियो पॉलिटिकल तनाव और वैश्विक मंदी की आशंका शामिल हैं। भारत के केंद्रीय बैंक के प्रमुख ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगला वित्तीय संकट निजी क्षेत्र के क्रिप्टोकरेंसी से आएगा और उनका अभी भी मानना है कि क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह भी कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है और व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा करता है।

BFSI समिट को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय स्थिरता के क्रिप्टोकरेंसी बेहद खतरनाक है। आरबीआई गवर्नर पहले भी कह चुके हैं कि इससे देश की व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

पीएलआई योजना के तहत फॉक्सकॉन के लिए 357 करोड़ रुपए मंजूर

नई दिल्ली: सरकार ने मोबाइल फोन के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एप्पल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन इंडिया के लिए 357.17 करोड़ रुपए तथा डिक्सन टेक्नोलॉजीज की अनुषंगी पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 58.29 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की है। यह पहला मौका है जब सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़ी किसी वैश्विक कंपनी के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। नीति आयोग ने मंगलवार को बयान में यह जानकारी दी। फॉक्सकॉन इंडिया ताइवान की बहुराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अनुबंध विनिर्माता है। इसका मुख्यालय न्यू ताइपे सिटी में है। सितंबर, 2022 तक बड़े पैमाने के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम) के लिए चलाई गई पीएलआई योजना के तहत 4,784 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया गया है। इससे 80,769 करोड़ रुपए के निर्यात सहित 2,03,952 करोड़ रुपए का उत्पादन हुआ है।

अब भारत में बनेगा एप्पल का आईफोन 16, जमीन के लिए तीन कंपनियों ने दिया आवेदन

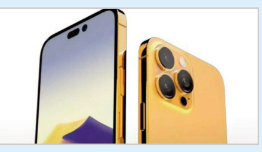

ग्रेटर नोएडा। यमुना अथॉरिटी में बड़ी-बड़ी कंपनियां जमीन लेने के लिए इच्छुक हैं और उन्होंने अथॉरिटी से जमीन की मांग की है। एप्पल और तीन सहयोगी कंपनियों ने मोबाइल की एसेसरीज बनाने के लिए यमुना प्राधिकरण में आवेदन किया है। कंपनियों ने करीब 23 एकड़ जमीन पर 2800 करोड़ के निवेश से इकाई लगाने का प्रस्ताव रखा है। आईफोन 16 भारत में ही बनाने की योजना है। यमुना प्राधिकरण के अधिकारी पिछले सप्ताह जापान और कोरिया से निवेश जुटाने के लिए गए थे। वहां एप्पल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई, इसमें अप्पल और उसकी सहयोगी कंपनियों ने भारत में 2800 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा है। इंक बनाने वाली एप्पल की सहयोगी कंपनी सीको एडवांस लिमिटेड यीडा के सेक्टर 29 में 5 एकड़ में अपना उत्पाद बनाने की इच्छा जाहिर की है। यह कंपनी 850 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और हजारों लोगों को रोजगार देगी। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह ने बताया कि एप्पल और सहयोगी कंपनियों को सेक्टर 29 में जमीन दी जाएगी। यह सेक्टर पहले से ही विकसित है और यहां पर कई सुविधाएं लगभग तैयार है। इससे कंपनियां निर्माण के बाद उत्पादन शुरू कर सकेंगी और इन कंपनियों में करार कर यमुना प्राधिकरण के समक्ष 10 फीसद राशि जमा करा दी है।

इलेक्ट्रिक वाहनों से बदल जाएंगे डीजल-पेट्रोल वाले वाहन

देश भर में जगह-जगह बनेंगे चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अगले पांच सालों में हिमाचल प्रदेश की सरकार चरणबद्ध तरीके से पेट्रोल-डीजल वालनों को जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलेगी। अगले 5 साल में सरकारी विभाग सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेगा और चार्जिंग स्टेशन भी बढ़ाए जाएंगे। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने के लिए ईवी को प्राथमिकता दी जा रही है। नरेश चौहान ने कहा ÷हम पर्यावरण को संरक्षित करेंगे और ऊर्जा की भी बचत करेंगे। हमारी सरकार ने अगले पांच वर्षों के दौरान सभी सरकारी विभागों में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए जाने का फैसला किया है। अब से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे जाएंगे और चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।÷ इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने तेजी से ग्रीन फ्यूल को अपनाने का फैसला किया है। वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुक्खू ने कहा कि राज्य में वाहनों की बढ़ती आवाजाही के बीच सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों की सुविधा के लिए रणनीतिक रूप से पहचाने गए गंतव्यों पर सबसे ज्यादा चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे समाज कल्याण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तेजी से काम करें। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फाडा) ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 39329 इकाई रही थी। कुल इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री पिछले महीने में 178 प्रतिशत उछलकर 3745 इकाई रही जो एक साल पहले इसी महीने में 1346 इकाई थी।।हाल ही में बैन एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 2030 तक 40-45 प्रतिशत ईवी टू-व्हीलर और 15-20 प्रतिशत संख्या इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर की होने की उम्मीद है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर करीब 185 प्रतिशत बढ़कर 111971 इकाई रही। इसमें यात्री वाहनों की बिक्री शामिल है।

चीनी निर्यात से चालू सीजन भारत के लिए बेहतर चीनी मिलों को फायदा

किसानों को हो सकेगा गन्ना के बकाया का भुगतान

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

चीनी एक्सपोर्ट के लिहाज से चालू चीनी सीजन भारत के लिए काफी अच्छा रहने की उम्मीद है। अक्टूबर में शुरू हुए चालू सीजन में दिसंबर के अंत तक 15 लाख टन चीनी का निर्यात होने की उम्मीद है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन का कहना है कि बाजार की रिपोर्ट बताती है कि 45 से 50 लाख टन चीनी के निर्यात के लिए अनुबंध हो चुके हैं। इनमें से करीब छह लाख टन चीनी बाहर भेज दी गई है। नौ लाख टन चीनी का निर्यात इस महीने के अंत तक होने की उम्मीद है। मोदी सरकार ने वित्तीय साल 2022-23 के दौरान 60 लाख टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी है। मोदी सरकार इस कोटे को बढ़ा भी सकती है।

जानकारों का कहना है कि ज्यादा चीनी निर्यात होने से चीनी मिलें आर्थिक रूप से सुदृढ़ होंगी। मिलों के पास पैसा आएगा तब वे किसानों को गन्ने का बकाया भुगतान कर सकेंगी। इस तरह किसानों को भी चीनी निर्यात बढ़ने पर फायदा होगा। पिछले सीजन चीनी सीजन (अक्टूबर 2021 से सितंबर 2022) में 111 लाख टन चीनी निर्यात हुआ था। केंद्र सरकार चीनी निर्यात का कोटा निर्धारित करती है। रिपोर्ट के अनुसार इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन का कहना है कि चालू गन्ना पेराई सीजन में इस साल 15 दिसंबर तक 82 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ है। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले करीब चार लाख टन अधिक है। इस सीजन में अब तक सभी प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में उच्च उत्पादन देखा जा रहा है। अभी 497 है चीनी मिलें चल रही हैं। वहीं पिछले साल समान अवधि में 479 चीनी मिलें परिचालन में थी। केंद्र सरकार जनवरी में वित्तीय साल 2022-23 के लिए चीनी निर्यात कोटा को बढ़ा सकती है। बताया जा रहा हैं कि स्थानीय उत्पादन का अनुमान लगाने के बाद केंद्र सरकार जनवरी में अतिरिक्त चीनी निर्यात की अनुमति देने पर विचार कर सकती है। मोदी सरकार ने वित्तीय साल 2022-23 के दौरान 6 मिलियन टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी है।

कई जगह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया भर के बाजारों में जहां तेल की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं देश में सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों को घटाया है। इससे उत्तर प्रदेश से लेक बिहार तक कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम हुई हैं हालांकि चारों महानगरों में आज भी तेल की कीमतें पहले के तरह ही बनी हुई हैं। आज गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 27 पैसे गिरकर 96.65 रुपये लीटर पहुंच गया जबकि डीजल 26 पैसे फिसलकर 89.82 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 14 पैसे ऊपर आकर 96.57 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल 13 पैसे बढ़कर 89.76 रुपये प्रति लीटर पर पहुंचा है। वहीं पटना में पेट्रोल की कीमतें 17 पैसे सरे्ता कम हुईं जिसये ये 107.95 रुपये पहुंच गया जबकि डीजल 16 पैसे नीचे आकर 94.70 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में कोई अधिक खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड बढ़त के साथ ही 79.99 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

यूट्यूब पारिस्थितिकी का भारत की जीडीपी में 10,000 करोड़ रुपये का योगदान: रिपोर्ट

नयी दिल्ली, (एजेंसी)

ऑनलाइन वीडियो मंच यूट्यूब से जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 10,000 करोड़ रुपये का योगदान देने के साथ करीब 7.5 लाख पूर्णकालिक-समकक्ष रोजगार को भी समर्थन दिया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 'ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स' के विश्लेषण पर आधारित 'यूट्यूब प्रभाव' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 4,500 से अधिक यूट्यूब चैनलों के 10 लाख से अधिक ग्राहक थे और भारत में एक लाख रुपये से अधिक का सालाना राजस्व कमा रहे चैनलों की संख्या सालाना आधार पर वर्ष 2021 में 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 'यूट्यूब की रचनात्मक पारिस्थितिकी ने वर्ष 2021 में देश की जीडीपी में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया और भारतीय अर्थव्यवस्था में 7,50,000 से अधिक पूर्णकालिक नौकरियों का समर्थन किया। इसका आर्थिक प्रभाव प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रेरित और उत्प्रेरक प्रभाव यानी चार तरीकों से दिखाई देता है।'' यूट्यूब ने एक ब्लॉग में कहा, ''यूट्यूब ने 2021 में सिर्फ स्वास्थ्य स्थिति वाले वीडियो को 30 अरब से अधिक दर्शक मिले। इसे देखते हुए स्वास्थ्य सेवा संस्थानों-नारायण हेल्थ, मणिपाल हॉस्पिटल्स, मेदांता और शाल्बी मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स को जोड़ने का फैसला किया गया है।' ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स ने यूट्यूब के प्रभाव का आकलन करने के लिए 4,021 यूट्यूब उपयोगकर्ताओं, 5,633 सृजनकर्ताओं और 523 व्यवसायों का सर्वेक्षण किया।

ईवी वाहनों की लागत को कम कर सकते हैं हैवी रेयर अर्थ-फ्री चुम्बक

नई दिल्ली।(एजेंसी)

वैज्ञानिकों ने उन्नत कम लागत वाले हैवी रेयर अर्थ-फ्री उच्च एनडी-एफई-बी से निर्मित चुम्बक निर्मित किए हैं, जिनकी इलेक्ट्रिक वाहनों में अत्यधिक मांग है। यह पहल इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक किफायती बना सकती है।विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मुताबिक, 90 फीसदी से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन ऐसे ब्रश रहित डीसी (बीएलडीसी) मोटर्स का उपयोग करते हैं जो दुर्लभ तत्वों एनडी-एफई-बी से निर्मित चुम्बक से बने होते हैं। 1984 में सगावा द्वारा इसकी खोज के बाद से ही एनडी-एफई-बी चुंबक अपने चुंबकीय गुणों के असाधारण संयोजन के कारण कई अनुप्रयोगों के लिए सबसे अधिक मांग वाली स्थायी चुंबकीय सामग्रियों में से एक रहा है । इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग किए जाने वाले एनडी-एफई-बी चुम्बक 150-200 डिग्री सेल्सियस के उच्च तापमान पर काम करते हैं। विचुंबकीकरण के लिए ऐसा उच्च प्रतिरोध की क्षमता प्रदर्शित करने की आवश्यकता होती है जो शुद्ध एनडी-एफई-बी चुम्बक में नहीं होती है। इसलिए वि चु म्ब की क र ण (डीमैग्नेटाइजेशन) के प्रतिरोध को बेहतर बनाने के लिए डिस्प्रोसियम (डीवाई -) धातु को एक मिश्र धातु के रूप में जोड़ा जाता है। विश्व भर में शोधकर्ता महंगे डिस्प्रोसियम (डीवाई) को शामिल किए बिना एनडी-एफई-बी चुम्बकों की बलपूर्वकता को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। बलपूर्वकता बढ़ाने के लिए अनुसंधान समुदाय द्वारा अपनाई गई एक रणनीति उपयुक्त ताप उपचार (कण सीमा प्रसरण) के माध्यम से अ-चुंबकीय तत्वों के साथ एनडी-एफई-बी चुम्बक के कणों के बीच के क्षेत्र को समृद्ध करना है। हाल ही में ऐसे मेल्ट-स्पून रिबन की बलपूर्वकता को बढ़ाया है जो गैर-चुंबकीय तत्व के स्रोत के रूप में कार्य करता है। नियोबियम (एनबी) की वर्षा के कारण कण सीमा प्रसरण के दौरान सीमित मात्रा में कणों के विकास की सूचना दी है, जो एनडी-एफई-बी पाउडर के विचुंबकीकरण के प्रतिरोध को बढ़ाने के लिए कणों की सीमाओं पर तांबा के संवर्धन की सुविधा प्रदान करता है।

टेस्ला का स्टॉक सबसे निचले स्तर पर, मस्क ने मैक्रोइकॉनॉमिक स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया

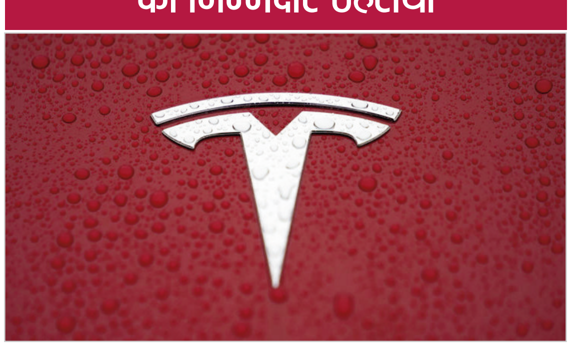

सैन फ्रांसिस्को।(एजेंसी)

इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयरों में लगभग 137 डॉलर की गिरावट आई है, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। एलन मस्क ने बुधवार को इसके लिए फिर से वैश्विक व्यापक आर्थिक स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया।इस साल अप्रैल में मस्क द्वारा ट्विटर को खरीदे जाने के बाद से टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट आई है। तब से टेस्ला के शेयरों में 60 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, क्योंकि मस्क ट्विटर पर दैनिक मामलों के सूक्ष्म प्रबंधन में व्यस्त हैं। टेस्ला के रॉस गेरबर ने ट्वीट किया: टेस्ला स्टॉक की कीमत अब कोई सीईओ नहीं होने के मूल्य को दर्शाती है। ग्रेट जॉब टेस्ला बीओडी- टाइम फॉर ए शेक अप टेस्ला। मस्क ने जवाब दिया, जैसा कि बैंक बचत खाते की ब्याज दरें गारंटीशुदा हैं, स्टॉक मार्केट रिटर्न की ओर बढ़ना शुरू कर देती हैं, जिसकी गारंटी नहीं है, लोग तेजी से अपने पैसे को स्टॉक से नकदी में ले जाएंगे, इस प्रकार शेयरों में गिरावट आएगी। जैसा कि टेस्ला के शेयरों में भारी नुकसान हुआ है, एलन मस्क ने पिछले हफ्ते मौजूदा स्थिति के लिए फेडरल रिजर्व को दोषी ठहराते हुए कहा था कि उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी पहले से बेहतर कर रही है। टेस्ला के गिरते शेयरों ने मस्क की कुल संपत्ति को प्रभावित किया है, जो 174 अरब डॉलर तक गिर गई, जिससे वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं फ्रांसीसी फैशन और कॉस्मेटिक मैग्नेट बर्नार्ड अरनॉल्ट सबसे अमीर व्यक्ति की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गए। मस्क ने 2022 में अपनी नेटवर्थ में 100 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट देखी है।

2024 के लिए नियोजित आईफोन एसई 4 के उत्पादन को रद्द या स्थगित कर सकता है एप्पल

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

टेक दिग्गज एप्पल कथित तौर पर 2024 के लिए नियोजित आईफोन एसई 4 के बड़े पैमाने पर उत्पादन को रद्द या स्थगित कर देगा।एप्पल विश्लेषक मिंग-ची कुओ ने ट्विटर पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि एप्पल डिवाइस के प्रोडक्शन में देरी या स्क्रैप करेगा। उन्होंने ट्वीट किया, मेरा लेटेस्ट सर्वेक्षण इंगित करता है कि एप्पल 2024 आईफोन एसई 4 के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन योजना को रद्द या स्थगित कर सकता है। मुझे लगता है कि यह मिड-टू-लो-एंड आईफोन्स (जैसे, एसई 3, 13 मिनी और 14 प्लस) के लगातार कम-से-अपेक्षित शिपमेंट के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि आईफोन एसई4 के लिए एप्पल ने जिस फुल-स्क्रीन डिजाइन को ध्यान में रखा है, उसके लिए उच्च लागत और बिक्री मूल्य की आवश्यकता होगी। कुओ ने कहा, ऐसी चिंताएं रही हैं कि एसई 4 के फुल-स्क्रीन डिजाइन से उच्च लागत/विक्रय मूल्य में वृद्धि होगी। नतीजतन, एप्पल को एसई 4 के लिए उत्पाद की स्थिति और निवेश पर वापसी पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है। इसके अलावा, कुओ ने साझा किया कि अनावश्यक नए उत्पाद विकास खचरें को कम करने से कंपनी को 2023 में वैश्विक आर्थिक मंदी की चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती उत्पादन लागत, लाभ मार्जिन बनाए रखने की आवश्यकता और चेसिस में टाइटेनियम जैसी उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री को शामिल करने के कारण उच्च कीमत है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिहा होगा सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज, नेपाल की जेल में 19 साल से था बंद

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने फ्रांस के सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को 19 साल जेल में बिताने के बाद उसकी उम्र के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि चार्ल्स दो अमेरिकी पर्यटकों की हत्या के आरोप में 2003 से नेपाल की जेल में है। शीर्ष अदालत ने उनकी रिहाई के 15 दिनों के भीतर उनके निर्वासन का भी आदेश दिया है। भारतीय और वियतनामी माता-पिता के एक फांसीसी पुत्र शोभराज पर 1975 में नेपाल में प्रवेश करने के लिए एक नकली पासपोर्ट का उपयोग करने और दो बैकपैकर्स की हत्या करने का आरोप लगाया गया था। 1 सितंबर, 2003 को एक समाचार पत्र द्वारा उनकी तस्वीर प्रकाशित करने के बाद उन्हें नेपाल में एक कैसीनो के बाहर देखा गया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ 1975 में काठमांडू और भक्तपुर में दंपति की हत्या के आरोप में हत्या के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए। वह काठमांडू की सेंट्रल जेल में 21 साल की कैद, अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए 20 साल और फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करने के लिए एक साल और 2,000 के जुर्माने की सजा काट रहा था।

जब कोई मूर्ख मिलेगा तब टिवटर के सीईओ का पद छोड़ दूंगा : मस्क

वाशिंगटन। ट्विटर के नए प्रमुख एलन मस्क ने ट्विटर के सीईओ के रूप में कमान संभाला है। लेकिन वह भूमिका के लिए बहुत उज्ज्वल लोगों को नहीं चाहते हैं। मस्क ने ट्विटर पर यह जानने के लिए सर्वेक्षण किया कि क्या उन्हें ट्विटर के सीईओ के रूप में पद छोड़ना चाहिए। जैसा कि अपेक्षित था उन्हें सुझाव दिया कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मस्क ने अपनी हार मानने से इनकार कर और कम वोट पाने के लिए ट्विटर में बॉट्स को जिम्मेदार ठहराया। एक अलग ट्वीट में मस्क ने कहा कि वह ट्विटर के सीईओ के रूप में तभी पद छोडूंगा जब उन्हें कोई ऐसा मूर्ख मिलेगा जो भूमिका निभाने के लिए पर्याप्त हो। मस्क द्वारा कराए गए एक पोल के नतीजों ने उन्हें चौंका दिया। मस्क ने सोचा कि ट्विटर को फ्री स्पीच प्लेटफॉर्म बनाने के उनके लंबे दावों से उन्हें वोट मिलने वाले हैं लेकिन ज्यादातर ट्विटर यूजर्स चाहते थे कि वह चले जाएं। पोल के अनुसार 57.5 प्रतिशत से अधिक ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने मस्क के पद छोड़ने के पक्ष में मतदान किया जबकि 42.5 प्रतिशत अभी भी चाहते हैं कि वह कंपनी का नेतृत्व करें। नतीजे आने के तुरंत बाद मस्क ने कहा कि वह फिर से चुनाव कराएंगे लेकिन इस बार वह केवल ट्विटर ब्लू ग्राहकों को वोट देने की अनुमति दूंगा।

आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर आठ एके-47 राइफलें ही ले गए

इस्लामाबाद। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है कि दक्षिणी वजीरिस्तान में दर्जनों सशस्त्र आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर हथियार लूटकर फरार हो गए। अधिकारी रहमान वजीर के हवाले से बताया कि रॉकेट लांचर और भारी हथियारों से लैस आतंकवादी वाना में पुलिस थाने में घुस गए। उन्होंने कहा कि करीब 50 आतंकवादी स्टेशन के सामने के गेट को उड़ाने के बाद अंदर घुसे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों के सामने भारी संख्या में थाना प्रभारी सहित लगभग 20 पुलिसकर्मियों ने कुछ समय तक संघर्ष किया लेकिन बाद में उन्हें बंधक बना लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय पुलिस ने कहा कि आतंकवादी स्टेशन से सिर्फ आठ एके-47 राइफलें ही ले गए। सूत्रों ने कहा कि हमले में एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया जबकि एक कथित आतंकवादी मारा गया। सूत्रों के मुताबिक फंटियर कोर (एफसी) के जवानों के साथ मुठभेड़ में कथित आतंकवादी मारा गया। बाद में शव बागीचा इलाके से बरामद किया गया। हमले के बाद पुलिस स्टेशन को कुछ समय के लिए एफसी ने अपने कब्जे में ले लिया लेकिन बाद में मंगलवार दोपहर तक इसे वापस पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने कहा कि आसपास के इलाकों से वाना में और बल तैनात किया गया है और वर्तमान में स्टेशन के अंदर 100 पुलिसकर्मी हैं।

उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया

फर्नडेल। उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में सोमवार देर रात 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और कई मकान एवं सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। सैन फ्रांसिस्को के उत्तर-पश्चिम में लगभग 343 किलोमीटर दूर स्थित फर्नडेल के पास देर रात दो बजकर 34 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। इस भूकंप का केंद्र तट के पास 10 मील की गहराई में था। इसके बाद भूकंप बाद के कई झटके महसूस किए गए। देश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखने वाली 'पावरआउटेज डॉट कॉम' ने बताया कि भूकंप के बाद 55,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। कई जगह गैस रिसाव की भी शिकायतें मिली हैं। हम्बोल्ट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने ट्वीट किया कि सुनामी की आशंका नहीं है। उल्लेखनीय है कि शनिवार तड़के तीन बजकर 39 मिनट पर सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

चीन से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने पानी के नीचे उतारेगा यूयूवी घोस्ट शार्क

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन से निपटने के लिए पानी के भीतर निगरानी और माइन वारफेयर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने उप-ड्रोन प्रोटोटाइप घोस्ट शार्क पनडुब्बी का अनावरण किया है। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम पानी के भीतर युद्ध में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करने और नौसैनिक युद्ध में दो देशों के बीच की खाई को पाटने के प्रयास का हिस्सा है। यूयूवी एक डाइव-लार्ज डिसप्लेसमेंट (डाइव-एलडी) वाहन है जो इंडो-पैसिफिक जल में चीन का मुकाबला करने की ऑस्ट्रेलिया की क्षमता को बढ़ाएगा और यहां तक कि संघर्ष में अमेरिका के हस्तक्षेप के मामले में सहायता प्रदान करेगा। घोस्ट शार्क नामक यूयूवी का एक सशस्त्र संस्करण बनाने की योजना है। यह घोस्ट शार्क वाहन ऑस्ट्रेलिया द्वारा 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की साझेदारी के तहत एंडुरिल आस्ट्रेलिया रायल आस्ट्रेलिया नेवी और डिफेंस साइंस एंड टेक्नालाजी ग्रुप के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा। यह परियोजना ऑस्ट्रेलिया के एक्स्ट्रा लार्ज ऑटोनॉमस अंडरसी व्हीकल (एक्सएल-एयूवी) कार्यक्रम के तहत है जिसका उद्देश्य सैन्य और गैर-सैन्य दोनों उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक किफायती स्वायत्त पानी के नीचे का पनडुब्बी बनाना है। होनराडा की रिपोर्ट के अनुसार साझेदारी का उद्देश्य 2025 तक घोस्ट शार्क के मॉडल वितरित करना है।

लंबे ठहराव के बाद बीजिंग पहुंची ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री

बीजिंग। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग व्यापार प्रतिबंधों एंव राजनीतिक मतभेदों के कारण उच्च-स्तरीय संबंधों में एक लंबे ठहराव के बाद द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार लाने के मकसद से वार्ता के लिए चीन पहुंची हैं। बीजिंग पहुंचने पर विदेश मंत्री वोंग ने निमंत्रण के लिए चीन को धन्यवाद दिया। उनकी यह यात्रा उस समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच आधिकारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना को 50 वर्ष पूरे हुए हैं।

वोंग ने कहा कि वह बातचीत को लेकर आशान्वित हैं जिसमें दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण कई मुद्दों पर चर्चा होगी। वोंग चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मिलेंगी। उनकी यात्रा चार वर्षों में किसी ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री की चीन की पहली यात्रा है। इससे यह उम्मीद जगी है कि ऑस्ट्रेलियाई वस्तुओं के आयात पर चीन के अवरोधों को समाप्त करने और चीन में हिरासत में लिए गए दो ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को मुक्त करने के विषय में प्रगति होगी।

दक्षिण कोरिया में अमेरिकी वायुसेना का बी-52 बमवर्षक विमान दक्षिण कोरियाई वायुसेना के विमानों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लेते हुए।

अमेरिका यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा इसमें पैट्रियट' मिसाइल शामिल

वाशिंगटन। अमेरिका युद्धग्रस्त यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा जिसमें पहली बार उसके लड़ाकू विमानों के लिए एक 'पैट्रियट' मिसाइल बैटरी और सटीक निशाना लगाने में सक्षम बम शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यह सहायता उस वक्त में दी जा रही है जब बाइडन प्रशासन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का वाशिंगटन में स्वागत करने के लिए तैयार है।

प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने सांसदों को बुधवार शाम के सत्र में मौजूद रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अमेरिकी अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर यूक्रेन को दी जाने वाली नई सहायता की जानकारी दी। इस सहायता से संकेत मिलता है कि अमेरिका ने रूस के मिसाइल हमलों से बचने के लिए यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने की कवायद के तौर पर उस अत्याधुनिक हथियार भेजने का फैसला किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इस सहायता पैकेज की बुधवार को घोषणा होने की उम्मीद है। जेलेंस्की और यूक्रेन के अन्य अधिकारियों ने पश्चिमी नेताओं से रूस के साथ युद्ध में उसकी मदद करने के लिए पैट्रियट समेत अन्य आधुनिक हथियार देने की अपील की थी। पैट्रियट यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिलने वाली सबसे उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली होगी।

चीन में कोरोना संक्रमण से बिगड़े हालात अस्पतालों में नहीं मिल रही जगह आसमान पर पहुंचे दवाओं के दाम

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एक बार फिर से कोरोना ने विस्फोटक रूप अख्तियार कर लिया है। चीन में कोरोना का ऐसा भयंकर विस्फोट हुआ है कि अस्पतालों में जगह नहीं बची हैं। श्मशान घाटों पर लाशों के अंबार लग गए हैं।दवा के लिए हाहाकार मच गया है।

जीरो कोविड पॉलिसी हटने के बाद चीन में कोरोना ने ऐसी तबाही मचाई है कि इसका खौफनामक मंजर अभी से ही दिखने लगा है। अनुमान है कि इस बार चीन में कोरोना से 20 लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है जबकि 23 करोड़ से अधिक आबादी इससे संक्रमित हो सकती है। हालांकि चीन ने आधिकारिक तौर पर कोरोना से केवल 5237 मौतों की पुष्टि की है। चीन में कोरोना संक्रमण इतनी तेजी से फैल रहा है कि मेडिकल स्टोर्स में दवा मिलना भी मुश्किल हो गया है।

अस्पतालों में इलाज के लिए भीड़ उमड़ रही है और लोगों को अपनी बारी के लिए लंबी लाइनों में इंतजार करना पड़ रहा है। चीन में कोरोना के विस्फोट की वजह से सर्दी और फ्लू की दवाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। इतना ही नहीं अस्पतालों में बढ़ते कोरोना मरीजों को बेड की किल्लत होने लगी है। दवा की भी कमी हो गई है। कोरोना जांच के लिए भी लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। कोरोना मरीज अब दम तोड़ने लगे हैं और इसकी संख्या ने चीन के लोगों को और डरा दिया है। चीनी सरकार ने कहा कि कोरोना में केवल श्वसन प्रणाली के विफल होने से होने वाली मौतों को ही आधिकारिक आंकड़ों में शामिल किया जाएगा। माना जा रहा है कि चीन ने पैनिक माहौल को देखते हुए यह फैसला लिया है। चीन में कोराना वायरस के ओमीक्रॉन स्वरूप के नए उप-स्वरूपों से संबंधित संक्रमण के मामलों में काफी वृद्धि देखी गई है। चीन वर्तमान में लोग मुख्यतः ओमीक्रॉन के दो उपस्वरूपों-बीए.5.2 और बीएफ.7 से प्रभावित है।

चीन में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए की जा रही सख्ती खत्म करने के बाद अचानक कोरोना संक्रमण में तेजी पैदा हो गई है। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण लोग खौफजदा हो गए हैं। दवाई की दुकानों में लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। दवा की शॉर्टेज के कारण उनकी कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। चीन में कोविड के बढ़ते मामलों के बीच वहां बेड की कमी भी होने लगी है।

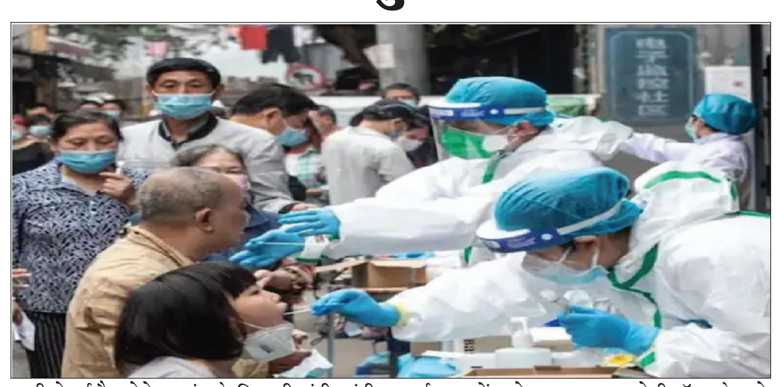

वायरल वीडियो में पूर्व पाक पीएम महिला से कर रहे अश्लील वार्तालाप पीटीआई ने वीडियो को बताया फर्जी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान एक ओर विवाद में फंसते दिखाई दे रहे हैं। यह विवाद उनके अश्लील ऑडियो से जुड़ा है। इस ऑडियो में इमरान खान की आवाज सुनाई दे रही है जिसमें वह किसी महिला से फोन पर अश्लील बातें कर रहे हैं। ये अश्लील ऑडियो पाकिस्तान के पत्रकार सैयद अली हैदर ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया है। इस ऑडियो क्लिप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की एक महिला के साथ कथित निजी बातचीत का जिक्र है। ऑडियो क्लिप में जिस शख्स की आवाज सुनाई दे रहे है वह पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान बताए जा रहे हैं जो एक महिला से अश्लील बात कर रहे हैं। ऑडियो में इमरान कथित तौर पर एक महिला को अपने पास आने के लिए बोल रहे हैं लेकिन महिला इमरान खान को मना कर देती हैं। इस ऑडियो में इमरान खान जोर देकर कहते हैं कि जैसा कहा गया है वैसा ही करें।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दो ऑडियो क्लिप में से एक पुराना बताया जा रहा है। दूसरी क्लिप को हाल ही का बताया जा रहा है। इमरान खान इस ऑडियो में महिला से उनके पास आने के लिए कह रहे हैं। हालांकि महिला उनके पास आने से मना कर देती है। महिला कहती है कि इमरान आपने मेरे लिए क्या किया है? मैं नहीं आ सकती हूं। इसी दौरान महिला आगे कहती है वह उनसे मिलने के लिए तैयार है। इस पर इमरान खान उसे कहते हैं कि वह अगले दिन का अपना कार्यक्रम बदल देंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि कथित ऑडियो क्लिप में महिला को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह उनसे नहीं मिल सकती क्योंकि उनके शरीर में दर्द है।

अप्रवासियों की संख्या दोगुना बढ़ाएगा फिनलैंड 2030 तक तीनगुना बढ़ाए जाएंगे छात्र इनटर्न

हेलसिंकी (एजेंसी)। कुशल कामगारों की भारी कमी से जूझ रहे यूरोपीय देश फिनलैंड ने एक अहम फैसला करते हुए देश में आने वाले कामगार अप्रवासियों की संख्या को दोगुना और 2030 तक अंतर्राष्ट्रीय छात्र इंटर्नशिप की संख्या को तीन गुना करने की योजना बनाई है।

फिनलैंड के आर्थिक मामलों और रोजगार मंत्री तुउला हैटेनेन ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा कि भारतीय कामगारों के लिए उनका देश उपक्त जगह है। विदेश मंत्री वी मुरलीधरन के साथ माइग्रेशन और गतिशीलता को लेकर एक संयुक्त घोषणा पत्रपर हस्ताक्षर करते हुए हैटेनेन ने कहा कि फ़िनलैंड प्रौद्योगिकी और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और नर्सिंग के क्षेत्र में भारतीय श्रमिकों को आकर्षित करना चाहता है। हालांकि मंत्री ने कहा उनकी सरकार अप्रवासियों के लिए रास्ता आसान करने की उम्मीद करती है लेकिन फिलहाल नागरिकता का रास्ता अभी उपलब्ध नहीं हो सकता है। हैटेनेन ने कहा कि हम देखते हैं कि भारत में बहुत प्रतिभावान पेशेवर हैं जिनकी हमें फिनलैंड में जरूरत है। हमें अधिक कार्यबल प्रतिभा पेशेवरों और कुशल लोगों की आवश्यकता है। अगर वे फिनलैंड आना चाहते हैं यह दोनों पक्षों के लिए बढ़िया अवसर है कि लोग विदेश जाएं और वहां कुछ कमाएं और कुछ सीखें।

इस संदर्भ में विदेश मंत्रालय ने कहा छात्रों विद्वानों शोधकर्ताओं व्यापार और पेशेवरों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने और अवैध अप्रवासन से निपटने के इरादे से संयुक्त घोषणा पर पिछले सप्ताह हस्ताक्षर किए गए थे। भारत ने हाल ही में इस साल जर्मनी और पिछले साल यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ इसी तरह के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कुशल भारतीय श्रम में रुचि पूरे यूरोप में श्रमिकों की भारी कमी के बीच आती है क्योंकि व्यवसाय पिछले दो वर्षों में कोविड के नुकसान और सीमा बंद होने से उबर रहे हैं। फिनलैंड विशेष रूप से लगभग 5.5 मिलियन निवासियों का देश है जहां कार्यबल केवल लगभग 2.5 मिलियन है और सेवानिवृत्त लोगों की संख्या बढ़ रही है।

श्रम मंत्रालय द्वारा मार्च में किए गए एक सर्वेक्षण और उद्योग सर्वेक्षणों से पता चला है कि 70 प्रतिशत से अधिक फिनिश कंपनियां अब कुशल श्रम की कमी से जूझ रही हैं। हैटेनेन ने कहा कि उनकी सरकार अनुसंधान और विकास में अपने सकल राष्ट्रीय उत्पाद का लगभग 4 फीसदी निवेश करना चाहती है लेकिन इसके लिए अधिक प्रशिक्षित कर्मचारियों की आवश्यकता है। नतीजतन फिनलैंड श्रम प्रवासियों और परिवारों को डे केयर शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ स्थानीय भाषा सिखाने की आधी लागत की पेशकश करके राहत प्रदान करता है।

नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा नेपाली कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल के नेता चुने गए

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने बुधवार को संसदीय दल के नेता पद के लिए हुए चुनाव में जीत दर्ज की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देउ?बा ने अपने निकटकम प्रतिद्वंद्वी एवं पार्टी महासचिव गगन कुमार थापा को 39 मतों से हराया। अधिकारियों के मुताबिक, मतदान में नेपाली कांग्रेस के सभी 89 सांसदों ने हिस्सा लिया। इसमें 76-वर्षीय देउबा को जहां 64 वोट मिले, वहीं 45-वर्षीय थापा को महज 25 मत हासिल हुए।

संसदीय दल के नेता पद के चुनाव में जीत का मतलब है कि 20 नवंबर को हुए आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस के सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद देउबा संभवतः अगली सरकार का नेतृत्व करेंगे। थापा संसदीय दल के नेता के चुनाव में देउबा के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी थे। दोनों उम्मीदवारों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया था। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल ने देउबा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका पार्टी के एक अन्य नेता पूर्ण बहादुर खड़का ने समर्थन किया। वहीं, डॉ. शेखर कोइराला ने थापा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका विश्व प्रकाश शर्मा, प्रदीप पौडेल और धनराज गुरुंग ने समर्थन किया था। 'माई रिपब्लिका' अखबार के मुताबिक, मतदान केंद्र में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं, इस पर असहमति के कारण बुधवार को चुनाव में लगभग एक घंटे की देरी हुई। अखबार के अनुसार, नेपाली कांग्रेस के सांसदों को अपने निर्वाचन प्रमाणपत्र के साथ मतदान स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया था। नेपाली कांग्रेस इस हिमालयी देश की एकमात्र पार्टी है, जो संसदीय दल के नेता के लिए चुनाव कराती है। संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए रविवार को नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में तीन-सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया था, जिसमें संयुक्त महासचिव भीष्म राज अंगडेंबे समन्वयक और केंद्रीय सदस्य पुष्पा भुसाल और प्रकाश रसैली 'स्नेही' सदस्य थे। हाल ही में संपन्न आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा की कुल 89 सीट पर जीत दर्ज की थी। इनमें से 57 सीट पार्टी को प्रत्यक्ष मतदान और 32 सीट आनुपातिक प्रतिनिधित्व चुनाव प्रणाली के जरिये हासिल हुई थी। इस बीच, संसदीय सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधि सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 22 दिसंबर को होगा। उल्लेखनीय है कि 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 सदस्यों का चयन प्रत्यक्ष मतदान के जरिये किया गया था, जबकि बाकी 110 सदस्य आनुपातिक चुनाव प्रणाली के माध्यम से चुने गए थे। हिमालयी देश में लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता को खत्म करने के लिए प्रतिनिधि सभा और सात प्रांतीय विधानसभाओं के लिए हाल ही में चुनाव कराए गए थे।

फिर जारी हुआ महिला विरोधी फरमान, नहीं सुधरने वाला है तालिबान, लड़कियों के लिए यूनिवर्सिटीज के दरवाजे बंद

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत को सत्ता संभालते हुए साल भर से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। वहां के हालात लगातार सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन अफगानिस्तान में तालिबानी फरमान जारी होते रहते हैं। इसी कड़ी में नए आदेश के तहत अफगानी लड़कियों के विश्वविद्यालय शिक्षा पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया गया।

हालांकि तालिबान औरतों और लड़कियों की आजादी पर हमेशा से रोक लगाता रहा है। लेकिन अब उसके एक और फैसले ने लड़कियों के सपनों को तोड़ने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उच्च शिक्षा मंत्री के एक पत्र के अनुसार तालिबान ने अफगानिस्तान में युवतियों और महिलाओं के लिए संचालित विश्वविद्यालयों को बंद करने का ऐलान किया है।

पिछले साल जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था तब महिलाओं के प्रति नर्म रुख अपनाने का वादा किया था। लेकिन इसके बावजूद वो उसके शिक्षा और स्वतंत्रता के अधिकार को छीन रहा है। अंतरराष्ट्री रुख को नजरअंदाज कर पहले भी तालिबान महिलाओं पर लगातार कई तरह के प्रतिबंध लगाता रहा है। बता दें कि इससे पहले तालिबान ने अफगान पर कब्जा करने के बाद महिलाओं और युवतियों की शिक्षा को लेकर फरमान जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि पुरुषों के स्कूलों में महिला व युवती नहीं पढ़ सकेंगी। साथ ही इन्हें महिला टीचर ही पढ़ा सकेंगे।

तालिबान को भुगतना पड़ेगा महिला शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने का खामियाजा : ब्लिंकन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगानिस्तान में महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के तालिबान के फैसले को अस्वीकार्य बताते हुए उसकी निंदा की है। ब्लिंकन ने आगाह किया है कि कट्टरपंथी इस्लामी शासन को इसके परिणाम झेलने होंगे।

गौरतलब है कि तालिबान सरकार ने महिलाओं के अधिकारों व स्वतंत्रता पर नकेल कसते हुए मंगलवार को एक नए फरमान में कहा था कि अफगानिस्तान में निजी व सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में महिला छात्राओं को तत्काल प्रभाव से अगली सूचना तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। तालिबान ने पिछले साल अफगानिस्तान की बागडोर अपने हाथ में लेने के बाद नरम रुख अपनाने का वादा किया था। उसके हालिया फैसले ने इस्लामी कानून या शरिया के कड़े नियम लागू करने की उसकी मंशा एक बार फिर स्पष्ट कर दी है। अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्री नेदा मोहम्मद नदीम की ओर से सभी सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों को एक पत्र जारी किया गया। इस पत्र पर नदीम के हस्ताक्षर भी हैं। पत्र में कहा गया आप सभी को सूचित किया जाता है कि अगली सूचना तक महिलाओं की शिक्षा स्थगित करने के आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के तालिबान के अस्वीकार्य फैसले माध्यमिक विद्यालयों को लड़कियों के लिए बंद करने और अफगानिस्तान में महिलाओं व लड़कियों को उनके मानवाधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रता का इस्तेमाल करने से रोकने के वास्ते उन पर अन्य प्रतिबंध लगाने की अमेरिका निंदा करता है।

देश भर में बड़ी संख्या में छात्राओं के विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा देने के करीब तीन महीने बाद यह प्रतिबंध लगाया गया है। ब्लिंकन ने आगाह किया शिक्षा एक मानवाधिकार है। यह अफगानिस्तान के आर्थिक विकास और उसकी स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। तालिबान तब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय का एक वैध सदस्य बनने की उम्मीद नहीं कर सकता जब तक कि वह अफगानिस्तान में सभी के अधिकारों का सम्मान नहीं करता। तालिबान को इस फैसले के परिणाम झेलने होंगे। देश में मानवीय संकट के बीच इस कदम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता हासिल करने के तालिबान के प्रयासों को नुकसान पहुंचाना तय है। ब्लिंकन ने कहा दुनिया में कोई भी देश महिलाओं व लड़कियों को शिक्षा हासिल करने से नहीं रोकता। उन्होंने कहा अफगानिस्तान को पहले से ही हर साल एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो रहा है जिससे उबरने में महिलाएं योगदान कर सकती हैं। कोई भी देश उसकी आधी आबादी को आगे बढ़ने से रोके जाने तक तरक्की नहीं कर सकता।

ब्लिंकन ने कहा तालिबान के नए फरमान का मतलब है कि महिलाओं व लड़कियों को अपना परिवार चलाने व रोजगार तलाशने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद अमेरिका महिलाओं व लड़कियों सहित अफगानिस्तान के लोगों की मदद करना जारी रखेगा उनकी मानवीय जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेगा और सामूहिक रूप से उनके अधिकारों की वकालत करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ काम करेगा।

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को

भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

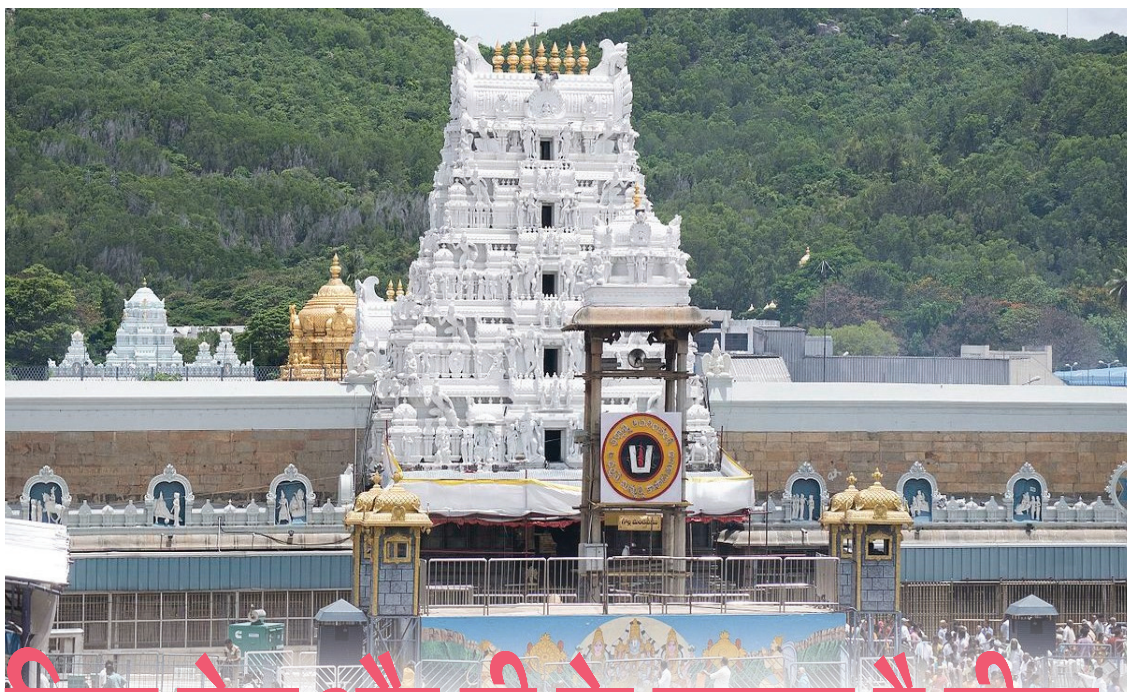

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकेटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढ़ने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी।

ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला : स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कीइंग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग : धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली : उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी : शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली : पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिहा होगा सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज, नेपाल की जेल में 19 साल से था बंद

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने फ्रांस के सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को 19 साल जेल में बिताने के बाद उसकी उम्र के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि चार्ल्स दो अमेरिकी पर्यटकों की हत्या के आरोप में 2003 से नेपाल की जेल में है। शीर्ष अदालत ने उनकी रिहाई के 15 दिनों के भीतर उनके निर्वासन का भी आदेश दिया है। भारतीय और वियतनामी माता-पिता के एक फांसीसी पुत्र शोभराज पर 1975 में नेपाल में प्रवेश करने के लिए एक नकली पासपोर्ट का उपयोग करने और दो बैकपैकर्स की हत्या करने का आरोप लगाया गया था। 1 सितंबर, 2003 को एक समाचार पत्र द्वारा उनकी तस्वीर प्रकाशित करने के बाद उन्हें नेपाल में एक कैसीनो के बाहर देखा गया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ 1975 में काठमांडू और भक्तपुर में दंपति की हत्या के आरोप में हत्या के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए। वह काठमांडू की सेंट्रल जेल में 21 साल की कैद, अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए 20 साल और फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करने के लिए एक साल और 2,000 के जुर्माने की सजा काट रहा था।

जब कोई मूर्ख मिलेगा तब टिवटर के सीईओ का पद छोड़ दूंगा : मस्क

वाशिंगटन। ट्विटर के नए प्रमुख एलन मस्क ने ट्विटर के सीईओ के रूप में कमान संभाला है। लेकिन वह भूमिका के लिए बहुत उज्ज्वल लोगों को नहीं चाहते हैं। मस्क ने ट्विटर पर यह जानने के लिए सर्वेक्षण किया कि क्या उन्हें ट्विटर के सीईओ के रूप में पद छोड़ना चाहिए। जैसा कि अपेक्षित था उन्हें सुझाव दिया कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मस्क ने अपनी हार मानने से इनकार कर और कम वोट पाने के लिए ट्विटर में बॉट्स को जिम्मेदार ठहराया। एक अलग ट्वीट में मस्क ने कहा कि वह ट्विटर के सीईओ के रूप में तभी पद छोड़ूंगा जब उन्हें कोई ऐसा मूर्ख मिलेगा जो भूमिका निभाने के लिए पर्याप्त हो। मस्क द्वारा कराए गए एक पोल के नतीजों ने उन्हें चौंका दिया। मस्क ने सोचा कि ट्विटर को फ्री स्पीच प्लेटफॉर्म बनाने के उनके लंबे दावों से उन्हें वोट मिलने वाले हैं लेकिन ज्यादातर ट्विटर यूजर्स चाहते थे कि वह चले जाएं। पोल के अनुसार 57.5 प्रतिशत से अधिक ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने मस्क के पद छोड़ने के पक्ष में मतदान किया जबकि 42.5 प्रतिशत अभी भी चाहते हैं कि वह कंपनी का नेतृत्व करें। नतीजे आने के तुरंत बाद मस्क ने कहा कि वह फिर से चुनाव कराएंगे लेकिन इस बार वह केवल ट्विटर ब्लू ग्राहकों को वोट देने की अनुमति दूंगा।

आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर आठ एके-47 राइफलें ही ले गए

इस्लामाबाद। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है कि दक्षिणी वजीरिस्तान में दर्जनों सशस्त्र आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर हथियार लूटकर फरार हो गए। अधिकारी रहमान वजीर के हवाले से बताया कि रॉकेट लांचर और भारी हथियारों से लैस आतंकवादी वाना में पुलिस थाने में घुस गए। उन्होंने कहा कि करीब 50 आतंकवादी स्टेशन के सामने के गेट को उड़ाने के बाद अंदर घुसे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों के सामने भारी संख्या में थाना प्रभारी सहित लगभग 20 पुलिसकर्मियों ने कुछ समय तक संघर्ष किया लेकिन बाद में उन्हें बंधक बना लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय पुलिस ने कहा कि आतंकवादी स्टेशन से सिर्फ आठ एके-47 राइफलें ही ले गए। सूत्रों ने कहा कि हमले में एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया जबकि एक कथित आतंकवादी मारा गया। सूत्रों के मुताबिक फंटियर कोर (एफसी) के जवानों के साथ मुठभेड़ में कथित आतंकवादी मारा गया। बाद में शव बागीचा इलाके से बरामद किया गया। हमले के बाद पुलिस स्टेशन को कुछ समय के लिए एफसी ने अपने कब्जे में ले लिया लेकिन बाद में मंगलवार दोपहर तक इसे वापस पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने कहा कि आसपास के इलाकों से वाना में और बल तैनात किया गया है और वर्तमान में स्टेशन के अंदर 100 पुलिसकर्मी हैं।

उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया

फर्नडेल। उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में सोमवार देर रात 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और कई मकान एवं सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। सैन फ्रांसिस्को के उत्तर-पश्चिम में लगभग 343 किलोमीटर दूर स्थित फर्नडेल के पास देर रात दो बजकर 34 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। इस भूकंप का केंद्र तट के पास 10 मील की गहराई में था। इसके बाद भूकंप बाद के कई झटके महसूस किए गए। देश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखने वाली 'पावरआउटेज डॉट कॉम' ने बताया कि भूकंप के बाद 55,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। कई जगह गैस रिसाव की भी शिकायतें मिली हैं। हम्बोल्ट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने ट्वीट किया कि सुनामी की आशंका नहीं है। उल्लेखनीय है कि शनिवार तड़के तीन बजकर 39 मिनट पर सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

चीन से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने पानी के नीचे उतारेगा यूयूवी घोस्ट शार्क

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन से निपटने के लिए पानी के भीतर निगरानी और माइन वारफेयर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने उप-ड्रोन प्रोटोटाइप घोस्ट शार्क पनडुब्बी का अनावरण किया है। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम पानी के भीतर युद्ध में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करने और नौसैनिक युद्ध में दो देशों के बीच की खाई को पाटने के प्रयास का हिस्सा है। यूयूवी एक डाइव-लार्ज डिसप्लेसमेंट (डाइव-एलडी) वाहन है जो इंडो-पैसिफिक जल में चीन का मुकाबला करने की ऑस्ट्रेलिया की क्षमता को बढ़ाएगा और यहां तक कि संघर्ष में अमेरिका के हस्तक्षेप के मामले में सहायता प्रदान करेगा। घोस्ट शार्क नामक यूयूवी का एक सशस्त्र संस्करण बनाने की योजना है। यह घोस्ट शार्क वाहन ऑस्ट्रेलिया द्वारा 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की साझेदारी के तहत एंडुरिल आस्ट्रेलिया रायल आस्ट्रेलिया नेवी और डिफेंस साइंस एंड टेक्नालाजी ग्रुप के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा। यह परियोजना ऑस्ट्रेलिया के एक्स्ट्रा लार्ज ऑटोनॉमस अंडरसी व्हीकल (एक्सएल-एयूवी) कार्यक्रम के तहत है जिसका उद्देश्य सैन्य और गैर-सैन्य दोनों उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक किफायती स्वायत्त पानी के नीचे का पनडुब्बी बनाना है। होनराडा की रिपोर्ट के अनुसार साझेदारी का उद्देश्य 2025 तक घोस्ट शार्क के मॉडल वितरित करना है।

लंबे ठहराव के बाद बीजिंग पहुंची ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री

बीजिंग। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग व्यापार प्रतिबंधों एंव राजनीतिक मतभेदों के कारण उच्च-स्तरीय संबंधों में एक लंबे ठहराव के बाद द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार लाने के मकसद से वार्ता के लिए चीन पहुंची हैं। बीजिंग पहुंचने पर विदेश मंत्री वोंग ने निमंत्रण के लिए चीन को धन्यवाद दिया। उनकी यह यात्रा उस समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच आधिकारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना को 50 वर्ष पूरे हुए हैं।

वोंग ने कहा कि वह बातचीत को लेकर आशान्वित हैं जिसमें दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण कई मुद्दों पर चर्चा होगी। वोंग चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मिलेंगी। उनकी यात्रा चार वर्षों में किसी ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री की चीन की पहली यात्रा है। इससे यह उम्मीद जगी है कि ऑस्ट्रेलियाई वस्तुओं के आयात पर चीन के अवरोधों को समाप्त करने और चीन में हिरासत में लिए गए दो ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को मुक्त करने के विषय में प्रगति होगी।

दक्षिण कोरिया में अमेरिकी वायुसेना का बी-52 बमवर्षक विमान दक्षिण कोरियाई वायुसेना के विमानों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लेते हुए।

अमेरिका यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा इसमें पैट्रियट' मिसाइल शामिल

वाशिंगटन। अमेरिका युद्धग्रस्त यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा जिसमें पहली बार उसके लड़ाकू विमानों के लिए एक 'पैट्रियट' मिसाइल बैटरी और सटीक निशाना लगाने में सक्षम बम शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यह सहायता उस वक्त में दी जा रही है जब बाइडन प्रशासन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का वाशिंगटन में स्वागत करने के लिए तैयार है।

प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने सांसदों को बुधवार शाम के सत्र में मौजूद रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अमेरिकी अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर यूक्रेन को दी जाने वाली नई सहायता की जानकारी दी। इस सहायता से संकेत मिलता है कि अमेरिका ने रूस के मिसाइल हमलों से बचने के लिए यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने की कवायद के तौर पर उस अत्याधुनिक हथियार भेजने का फैसला किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इस सहायता पैकेज की बुधवार को घोषणा होने की उम्मीद है। जेलेंस्की और यूक्रेन के अन्य अधिकारियों ने पश्चिमी नेताओं से रूस के साथ युद्ध में उसकी मदद करने के लिए पैट्रियट समेत अन्य आधुनिक हथियार देने की अपील की थी। पैट्रियट यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिलने वाली सबसे उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली होगी।

चीन में कोरोना संक्रमण से बिगड़े हालात अस्पतालों में नहीं मिल रही जगह आसमान पर पहुंचे दवाओं के दाम

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एक बार फिर से कोरोना ने विस्फोटक रूप अख्तियार कर लिया है। चीन में कोरोना का ऐसा भयंकर विस्फोट हुआ है कि अस्पतालों में जगह नहीं बची हैं। श्मशान घाटों पर लाशों के अंबार लग गए हैं।दवा के लिए हाहाकार मच गया है।

जीरो कोविड पॉलिसी हटने के बाद चीन में कोरोना ने ऐसी तबाही मचाई है कि इसका खौफनामक मंजर अभी से ही दिखने लगा है। अनुमान है कि इस बार चीन में कोरोना से 20 लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है जबकि 23 करोड़ से अधिक आबादी इससे संक्रमित हो सकती है। हालांकि चीन ने आधिकारिक तौर पर कोरोना से केवल 5237 मौतों की पुष्टि की है। चीन में कोरोना संक्रमण इतनी तेजी से फैल रहा है कि मेडिकल स्टोर्स में दवा मिलना भी मुश्किल हो गया है।

अस्पतालों में इलाज के लिए भीड़ उमड़ रही है और लोगों को अपनी बारी के लिए लंबी लाइनों में इंतजार करना पड़ रहा है। चीन में कोरोना के विस्फोट की वजह से सर्दी और फ्लू की दवाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। इतना ही नहीं अस्पतालों में बढ़ते कोरोना मरीजों को बेड की किल्लत होने लगी है। दवा की भी

कमी हो गई है। कोरोना जांच के लिए भी लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। कोरोना मरीज अब दम तोड़ने लगे हैं और इसकी संख्या ने चीन के लोगों को और डरा दिया है। चीनी सरकार ने कहा कि कोरोना में केवल श्वसन प्रणाली के विफल होने से होने वाली मौतों को ही आधिकारिक आंकड़ों में शामिल किया जाएगा। माना जा रहा है कि चीन ने पैनिक माहौल को देखते हुए यह फैसला लिया है। चीन में कोराना वायरस के ओमीक्रॉन स्वरूप के नए उप-स्वरूपों से संबंधित संक्रमण के मामलों में काफी वृद्धि देखी गई है। चीन वर्तमान में लोग मुख्यतः ओमीक्रॉन के दो उपस्वरूपों-बीए.5.2 और बीएफ.7 से प्रभावित है।

चीन में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए की जा रही सख्ती खत्म करने के बाद अचानक कोरोना संक्रमण में तेजी पैदा हो गई है। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण लोग खौफजदा हो गए हैं। दवाई की दुकानों में लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। दवा की शॉर्टेज के कारण उनकी कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। चीन में कोविड के बढ़ते मामलों के बीच वहां बेड की कमी भी होने लगी है।

वायरल वीडियो में पूर्व पाक पीएम महिला से कर रहे अश्लील वार्तालाप पीटीआई ने वीडियो को बताया फर्जी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान एक ओर विवाद में फंसते दिखाई दे रहे हैं। यह विवाद उनके अश्लील ऑडियो से जुड़ा है। इस ऑडियो में इमरान खान की आवाज सुनाई दे रही है जिसमें वह किसी महिला से फोन पर अश्लील बातें कर रहे हैं। ये अश्लील ऑडियो पाकिस्तान के पत्रकार सैयद अली हैदर ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया है। इस ऑडियो क्लिप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की एक महिला के साथ कथित निजी बातचीत का जिक्र है। ऑडियो क्लिप में जिस शख्स की आवाज सुनाई दे रहे है वह पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान बताए जा रहे हैं जो एक महिला से अश्लील बात कर रहे हैं। ऑडियो में इमरान कथित तौर पर एक महिला को अपने पास आने के लिए बोल रहे हैं लेकिन महिला इमरान खान को मना कर देती हैं। इस ऑडियो में इमरान खान जोर देकर कहते हैं कि जैसा कहा गया है वैसा ही करें।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दो ऑडियो क्लिप में से एक पुराना बताया जा रहा है। दूसरी क्लिप को हाल ही का बताया जा रहा है। इमरान खान इस ऑडियो में महिला से उनके पास आने के लिए कह रहे हैं। हालांकि महिला उनके पास आने से मना कर देती है। महिला कहती है कि इमरान आपने मेरे लिए क्या किया है? मैं नहीं आ सकती हूं। इसी दौरान महिला आगे कहती है वह उनसे मिलने के लिए तैयार है। इस पर इमरान खान उसे कहते हैं कि वह अगले दिन का अपना कार्यक्रम बदल देंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि कथित ऑडियो क्लिप में महिला को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह उनसे नहीं मिल सकती क्योंकि उनके शरीर में दर्द है।

अप्रवासियों की संख्या दोगुना बढ़ाएगा फिनलैंड 2030 तक तीनगुना बढ़ाए जाएंगे छात्र इनटर्न

हेलसिंकी (एजेंसी)। कुशल कामगारों की भारी कमी से जूझ रहे यूरोपीय देश फिनलैंड ने एक अहम फैसला करते हुए देश में आने वाले कामगार अप्रवासियों की संख्या को दोगुना और 2030 तक अंतर्राष्ट्रीय छात्र इंटर्नशिप की संख्या को तीन गुना करने की योजना बनाई है।

फिनलैंड के आर्थिक मामलों और रोजगार मंत्री तुउला हैटेनेन ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा कि भारतीय कामगारों के लिए उनका देश उपक्त जगह है। विदेश मंत्री वी मुरलीधरन के साथ माइग्रेशन और गतिशीलता को लेकर एक संयुक्त घोषणा पत्रपर हस्ताक्षर करते हुए हैटेनेन ने कहा कि फ़िनलैंड प्रौद्योगिकी और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और नर्सिंग के क्षेत्र में भारतीय श्रमिकों को आकर्षित करना चाहता है। हालांकि मंत्री ने कहा उनकी सरकार अप्रवासियों के लिए रास्ता आसान करने की उम्मीद करती है लेकिन फिलहाल नागरिकता का रास्ता अभी उपलब्ध नहीं हो सकता है। हैटेनेन ने कहा कि हम देखते हैं कि भारत में बहुत प्रतिभावान पेशेवर हैं जिनकी हमें फिनलैंड में जरूरत है। हमें अधिक कार्यबल प्रतिभा पेशेवरों और कुशल लोगों की आवश्यकता है। अगर वे फिनलैंड आना चाहते हैं यह दोनों पक्षों के लिए बढ़िया अवसर है कि लोग विदेश जाएं और वहां कुछ कमाएं और कुछ सीखें।

इस संदर्भ में विदेश मंत्रालय ने कहा छात्रों विद्वानों शोधकर्ताओं व्यापार और पेशेवरों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने और अवैध अप्रवासन से निपटने के इरादे से संयुक्त घोषणा पर पिछले सप्ताह हस्ताक्षर किए गए थे। भारत ने हाल ही में इस साल जर्मनी और पिछले साल यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ इसी तरह के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कुशल भारतीय श्रम में रुचि पूरे यूरोप में श्रमिकों की भारी कमी के बीच आती है क्योंकि व्यवसाय पिछले दो वर्षों में कोविड के नुकसान और सीमा बंद होने से उबर रहे हैं। फिनलैंड विशेष रूप से लगभग 5.5 मिलियन निवासियों का देश है जहां कार्यबल केवल लगभग 2.5 मिलियन है और सेवानिवृत्त लोगों की संख्या बढ़ रही है।

श्रम मंत्रालय द्वारा मार्च में किए गए एक सर्वेक्षण और उद्योग सर्वेक्षणों से पता चला है कि 70 प्रतिशत से अधिक फिनिश कंपनियां अब कुशल श्रम की कमी से जूझ रही हैं। हैटेनेन ने कहा कि उनकी सरकार अनुसंधान और विकास में अपने सकल राष्ट्रीय उत्पाद का लगभग 4 फीसदी निवेश करना चाहती है लेकिन इसके लिए अधिक प्रशिक्षित कर्मचारियों की आवश्यकता है। नतीजतन फिनलैंड श्रम प्रवासियों और परिवारों को डे केयर शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ स्थानीय भाषा सिखाने की आधी लागत की पेशकश करके राहत प्रदान करता है।

नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा नेपाली कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल के नेता चुने गए

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने बुधवार को संसदीय दल के नेता पद के लिए हुए चुनाव में जीत दर्ज की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देउ?बा ने अपने निकटकम प्रतिद्वंद्वी एवं पार्टी महासचिव गगन कुमार थापा को 39 मतों से हराया। अधिकारियों के मुताबिक, मतदान में नेपाली कांग्रेस के सभी 89 सांसदों ने हिस्सा लिया। इसमें 76-वर्षीय देउबा को जहां 64 वोट मिले, वहीं 45-वर्षीय थापा को महज 25 मत हासिल हुए।

संसदीय दल के नेता पद के चुनाव में जीत का मतलब है कि 20 नवंबर को हुए आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस के सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद देउबा संभवतः अगली सरकार का नेतृत्व करेंगे। थापा संसदीय दल के नेता के चुनाव में देउबा के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी थे। दोनों उम्मीदवारों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया था। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल ने देउबा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका पार्टी के एक अन्य नेता पूर्ण बहादुर खड़का ने समर्थन किया। वहीं, डॉ.

शेखर कोइराला ने थापा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका विश्व प्रकाश शर्मा, प्रदीप पौडेल और धनराज गुरुंग ने समर्थन किया था। 'माई रिपब्लिका' अखबार के मुताबिक, मतदान केंद्र में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं, इस पर असहमति के कारण बुधवार को चुनाव में लगभग एक घंटे की देरी हुई। अखबार के अनुसार, नेपाली कांग्रेस के सांसदों को अपने निर्वाचन प्रमाणपत्र के साथ मतदान स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया था। नेपाली कांग्रेस इस हिमालयी देश की एकमात्र पार्टी है, जो संसदीय दल के नेता के लिए चुनाव कराती है। संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए रविवार को नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में तीन-सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया था, जिसमें संयुक्त महासचिव भीष्म राज अंगडेंबे समन्वयक और केंद्रीय सदस्य पुष्पा भुसाल और प्रकाश रसैली 'स्नेही' सदस्य थे। हाल ही में संपन्न आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा की कुल 89 सीट पर जीत दर्ज की थी। इनमें से 57 सीट पार्टी को प्रत्यक्ष मतदान और 32 सीट आनुपातिक प्रतिनिधित्व चुनाव प्रणाली के जरिये हासिल हुई थी। इस बीच, संसदीय सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधि सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 22 दिसंबर को होगा। उल्लेखनीय है कि 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 सदस्यों का चयन प्रत्यक्ष मतदान के जरिये किया गया था, जबकि बाकी 110 सदस्य आनुपातिक चुनाव प्रणाली के माध्यम से चुने गए थे। हिमालयी देश में लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता को खत्म करने के लिए प्रतिनिधि सभा और सात प्रांतीय विधानसभाओं के लिए हाल ही में चुनाव कराए गए थे।

फिर जारी हुआ महिला विरोधी फरमान, नहीं सुधरने वाला है तालिबान, लड़कियों के लिए यूनिवर्सिटीज के दरवाजे बंद

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत को सत्ता संभालते हुए साल भर से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। वहां के हालात लगातार सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन अफगानिस्तान में तालिबानी फरमान जारी होते रहते हैं। इसी कड़ी में नए आदेश के तहत अफगानी लड़कियों के विश्वविद्यालय शिक्षा पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया गया।

हालांकि तालिबान औरतों और लड़कियों की आजादी पर हमेशा से रोक लगाता रहा है। लेकिन अब उसके एक और फैसले ने लड़कियों के सपनों को तोड़ने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उच्च शिक्षा मंत्री के एक पत्र के अनुसार तालिबान ने अफगानिस्तान में युवतियों और महिलाओं के लिए संचालित विश्वविद्यालयों को बंद करने का ऐलान किया है।

पिछले साल जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था तब महिलाओं के प्रति नर्म रुख अपनाने का वादा किया था। लेकिन इसके बावजूद वो उसके शिक्षा और स्वतंत्रता के अधिकार को छीन रहा है। अंतरराष्ट्री रुख को नजरअंदाज कर पहले भी तालिबान महिलाओं पर लगातार कई तरह के प्रतिबंध लगाता रहा है। बता दें कि इससे पहले तालिबान ने अफगान पर कब्जा करने के बाद महिलाओं और युवतियों की शिक्षा को लेकर फरमान जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि पुरुषों के स्कूलों में महिला व युवती नहीं पढ़ सकेंगी। साथ ही इन्हें महिला टीचर ही पढ़ा सकेंगे।

तालिबान को भुगतना पड़ेगा महिला शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने का खामियाजा : ब्लिंकन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगानिस्तान में महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के तालिबान के फैसले को अस्वीकार्य बताते हुए उसकी निंदा की है। ब्लिंकन ने आगाह किया है कि कट्टरपंथी इस्लामी शासन को इसके परिणाम झेलने होंगे।

गौरतलब है कि तालिबान सरकार ने महिलाओं के अधिकारों व स्वतंत्रता पर नकेल कसते हुए मंगलवार को एक नए फरमान में कहा था कि अफगानिस्तान में निजी व सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में महिला छात्राओं को तत्काल प्रभाव से अगली सूचना तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। तालिबान ने पिछले साल अफगानिस्तान की बागडोर अपने हाथ में लेने के बाद नरम रुख अपनाने का वादा किया था। उसके हालिया फैसले ने इस्लामी कानून या शरिया के कड़े नियम लागू करने की उसकी मंशा एक बार फिर स्पष्ट कर दी है। अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्री नेदा मोहम्मद नदीम की ओर से सभी सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों को एक पत्र जारी किया गया। इस पत्र पर नदीम के हस्ताक्षर भी हैं। पत्र में कहा गया आप सभी को सूचित किया जाता है कि अगली सूचना तक महिलाओं की शिक्षा स्थगित करने के आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के तालिबान के अस्वीकार्य फैसले माध्यमिक विद्यालयों को लड़कियों के लिए बंद करने और अफगानिस्तान में महिलाओं व लड़कियों को उनके मानवाधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रता का इस्तेमाल करने से रोकने के वास्ते उन पर अन्य प्रतिबंध लगाने की अमेरिका निंदा करता है।

देश भर में बड़ी संख्या में छात्राओं के विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा देने के करीब तीन महीने बाद यह प्रतिबंध लगाया गया है। ब्लिंकन ने आगाह किया शिक्षा एक मानवाधिकार है। यह अफगानिस्तान के आर्थिक विकास और उसकी स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। तालिबान तब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय का एक वैध सदस्य बनने की उम्मीद नहीं कर सकता जब तक कि वह अफगानिस्तान में सभी के अधिकारों का सम्मान नहीं करता। तालिबान को इस फैसले के परिणाम झेलने होंगे। देश में मानवीय संकट के बीच इस कदम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता हासिल करने के तालिबान के प्रयासों को नुकसान पहुंचाना तय है। ब्लिंकन ने कहा दुनिया में कोई भी देश महिलाओं व लड़कियों को शिक्षा हासिल करने से नहीं रोकता। उन्होंने कहा अफगानिस्तान को पहले से ही हर साल एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो रहा है जिससे उबरने में महिलाएं योगदान कर सकती हैं। कोई भी देश उसकी आधी आबादी को आगे बढ़ने से रोके जाने तक तरक्की नहीं कर सकता।

ब्लिंकन ने कहा तालिबान के नए फरमान का मतलब है कि महिलाओं व लड़कियों को अपना परिवार चलाने व रोजगार तलाशने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद अमेरिका

महिलाओं व लड़कियों सहित अफगानिस्तान के लोगों की मदद करना जारी रखेगा उनकी मानवीय जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेगा और सामूहिक रूप से उनके अधिकारों की वकालत करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ काम करेगा।

चीन के साथ तनातनी के बीच तवांग में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए लगाए जाएंगे 23 नए मोबाइल टावर

ईटानगर । अरुणाचल के तवांग सेक्टर में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के बाद सरकार ने कई कदम उठाए हैं। तवांग जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के पास कनेक्टिविटी में सुधार के लिए सरकार ने और मोबाइल टावर लगाने का फैसला किया है। यह निर्णय 9 दिसंबर को यांग्त्से में भारत और चीन के सैनिकों के बीच संघर्ष के बाद लिया गया है। तवांग के उपायुक्त केएन दामो ने कहा कि बीएसएनएल और भारती एयरटेल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए 23 नए मोबाइल टावर लगाएंगे। केएन दामो ने कहा कि मौजूदा टावरों से मनचाही सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं जिससे न केवल सुरक्षाबलों बल्कि सीमा पर रहने वाले नागरिकों के लिए भी समस्याएं पैदा हो रही थीं। उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती इलाकों में मोबाइल नेटवर्क नहीं था लेकिन अब स्थिति बदल गई है और बुम-ला और वाई-जंक्शन पर भी लोग इंटरनेट सेवा और मोबाइल कनेक्टिविटी का आनंद ले रहे हैं लेकिन इसमें और सुधार की जरूरत है। दामो ने कहा कि रक्षा प्रतिष्ठानों को प्राथमिकता दी गई है जबकि मागो चूना और निलिया (जेमिथांग के पास) जैसे नागरिक क्षेत्रों की भी उपेक्षा नहीं की गई है। तवांग के उपायुक्त केएन दामो ने कहा कि जिला प्रशासन ने 43 नए टावर मांगे थे। अधिकारी ने कहा कि नए टावर लगाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं लेकिन सर्दी एक चुनौती होगी जिससे प्रक्रिया में देरी हो सकती है। हालांकि जिले के पहाड़ी इलाकों में हिमपात हो रहा है मुख्यालय में रविवार रात पहली बार हिमपात हुआ और तापमान -3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

बीएसएफ ने गोलीबारी कर पाक तस्करों को खदेड़ा 25 किलो हेरोइन बरामद

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक बार फिर पाकिस्तानी तस्करों के नापाक मंसूबे को नाकाम कर दिए। पंजाब के फाजिल्का में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रग्स भेजने का प्रयास कर रहे पाकिस्तानी तस्करों को बीएसएफ ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया। घटना के बाद तलाशी अभियान में करीब 25 किलो हेरोइन भी बरामद की गई है। बीएसएफ ने यह जानकारी दी है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार करीब 1 बजकर 50 मिनट पर गश्त कर रहे जवानों ने पंजाब के फाजिल्का जिले के गट्टी अजायब सिंह गांव के पास पड़ने वाले क्षेत्र में सीमा पर लगी बाड़ के दोनों ओर तस्करों की कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। त्वरित कार्रवाई करते हुए बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर लगी बाड़ के आगे पाकिस्तानी तस्करों पर गोलीबारी की। हालांकि तस्कर घने कोहरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। बीएसएफ ने बताया कि इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और पुलिस और संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दिया गया। प्रारंभिक तलाशी के दौरान बीएसएफ के जवानों ने गांव गट्टी अजायब सिंह के पास सीमा बाड़ के आगे और अपनी तरफ पीले टेप में लिपटे हेरोइन के 4 पैकेट बरामद किए। वहीं पूरे क्षेत्र की विस्तृत तलाशी के दौरान सैनिकों ने पीले टेप में लिपटी प्रतिबंधित हेरोइन के 21 पैकेट और बरामद किए। इसके अलावा सीमा पर बाड़ के आगे 12 फीट लंबाई का 1 पीवीसी पाइप और 1 शॉल भी मिला। फिलहाल तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

किसान के बेटे ने ऑनलाइन कैसीनो में 92 लाख रुपये उड़ाए

हैदराबाद । किसान को सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के रूप में मिले 92 लाख रुपये का नुकसान हुआ। किसान के बेटे ने एक ऑनलाइन कैसीनो में इन पैसों को उड़ा दिए। हैदराबाद के पास तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। श्रीनिवास रेड्डी के छोटे बेटे ने ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान पूरे पैसे गंवा दिए। श्रीनिवास रेड्डी की 10 एकड़ जमीन हाल ही में सरकार द्वारा तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीएसआईआईसी) के लिए अधिग्रहित की गई थी। उन्हें 10.5 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से 1.05 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। इस पैसे से वह हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद मंडल के मल्लापुर में आधा एकड़ जमीन खरीदना चाहता था। उसने 70 लाख रुपये का एग्रीमेंट किया था और 20 लाख रुपये एडवांस के तौर पर चुकाए थे। शेष 85 लाख रुपये में से श्रीनिवास रेड्डी ने अपने बैंक खाते में 42.5 लाख रुपये और बाकि अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी के खाते में जमा किए। दंपति के छोटे बेटे हर्षवर्धन रेड्डी जो हैदराबाद के निजाम कॉलेज में फर्स्ट ईयर का छात्र हैं ने अपने पिता के खाते से पैसे अपने खाते में ट्रांसफर कर कहा कि वह जमीन के मालिक को दे देगा। ऑनलाइन गेम खेलने के आदी हो चुके हर्षवर्धन रेड्डी ने ऑनलाइन कसीनो में किश्तों में पैसा लगाना शुरू कर दिया। कुछ ही हफ्तों में उसका पूरा पैसा डूब गया। जब उसके माता-पिता ने रुपयों के बारे में पूछा तब सारी बात बता दी। दंपति और उनके बड़े बेटे सिरपाल रेड्डी सुनकर सदमे में है।

नैनीताल हाईकोर्ट का फैसला अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच नहीं होगी

नैनीताल । अंकिता भंडारी हत्याकांड पर नैनीताल हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि इसकी सीबीआई जांच नहीं होगी। हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच वाली याचिका को ठुकरा दिया है। हाईकोर्ट ने एसआईटी जांच पर अपना विश्वास जाहिर किया है। बता दें कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई थी। कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया है। ये याचिका पत्रकार आशुतोष नेगी ने लगाई थी। इसके अलावा अंकिता के परिजनों ने भी सीबीआई जांच की मांग की थी। इससे पहले 26 नवंबर को फैसले को रिजर्व कर दिया गया था। बुधवार को हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा कि मामले में सीबीआई जांच की जरुरत नहीं हैं।

आतंकी इकोसिस्टम का समर्थन करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा : मनोज सिन्हा

जम्मू । जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकी इकोसिस्टम का समर्थन करने वालों को कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। सिन्हा ने कहा जम्मू-कश्मीर में जो भी आतंकी इकोसिस्टम का समर्थन करता है उस कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पता लगा लेंगी कि कौन आतंक का समर्थन कर रहा है और ऐसे समर्थकों की राजनीतिक संबद्धता कोई मायने नहीं रखेगी। उन्होंने कहा 70000 करोड़ रुपये का निवेश जल्द ही यहां आने वाला है। घाटी में सेवारत कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के बारे में उपराज्यपाल ने कहा कि लगभग सभी कर्मचारियों को जिला मुख्यालयों पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा हम किसी इसतरह के व्यक्ति को वेतन नहीं दे सकते जो काम नहीं करता है। जम्मू-कश्मीर में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बारे में सिन्हा ने कहा कि यात्रा की अनुमति तब मिलेगी जब यह देश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक सिद्धांत को चुनौती नहीं देती है। जम्मू-कश्मीर में होने वाली जी20 बैठक के बारे में उन्होंने कहा श्रीनगर में केवल एक जी20 बैठक आयोजित होगी। उन्होंने कहा हमने सरकार से अनुरोध किया है कि जी20 की एक बैठक जम्मू में भी होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू-कश्मीर में जी20 बैठक बिना किसी बाधा के आयोजित की जाएगी।

केंद्र ने निर्भया फंड से राज्यों को 157.49 करोड़ रुपए जारी किए

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिस थानों में महिला सहायता डेस्क (डब्ल्यूएचडी) की स्थापना के लिए निर्भया निधि योजना के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कुल 157.49 करोड़ रुपए जारी किए हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने राज्यसभा में ये जानकारी साझा की है। मिश्रा ने बताया कि मंत्रालय ने पुलिस थानों में महिला सहायता डेस्क (डब्ल्यूएचडी) की स्थापना के लिए निर्भया निधि योजना के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कुल 157.49 करोड़ रुपए जारी किए हैं। मिश्रा ने सांसद निरंजन बिशी और सुजीत कुमार के सवाल पर बताया कि इन स्वीकृत निधियों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित किए गए नए पुलिस स्टेशन भी शामिल हैं। धन राशि परियोजना के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार जारी की गई हैं।

शाह की दो टूक नशा मुक्त भारत के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ने वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में कहा है कि नशा देश के लिए गंभीर समस्या है इस पर सियासत नहीं होना चाहिए। शाह ने साफ तौर पर कहा है कि ड्रग्स के मामले में मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है। दरअसल गृह मंत्री शाह संसद में नशे के मुद्दे पर उठे सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है और मोदी सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा है कि नार्को टेरर पर भी मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इसके खिलाफ लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

संसद को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सभी एंट्री पॉइंट पर निगरानी बढ़ानी होंगी। इसमें राज्य सरकार का सहयोग जरूरी होगा है। नशे की वजह से लाखों परिवार बर्बाद हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नशाखोरी एक गंभीर समस्या है जो पीढ़ियों को नष्ट कर रहा है। ड्रग्स से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए होता है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हमारी सरकार की ड्रग्स के कारोबार और इससे होने वाली कमाई के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। नशा मुक्त भारत के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ने वाली हैं। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई केंद्र या राज्य की नहीं बल्कि हम सभी की है और इसके वांछित परिणाम के लिए बहु-आयामी प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जो देश हमारे देश में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं वे ड्रग्स से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल उसी के लिए कर रहे हैं। इस गंदे पैसे की मौजूदगी भी धीरे-धीरे हमारी अर्थव्यवस्था को खोखला कर देती है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि हमें सीमाओं बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से दवाओं के प्रवेश को रोकने की जरूरत है। राजस्व विभाग एनसीबी और मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों को एक ही पृष्ठ पर होने वाले खतरे के खिलाफ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की नीति बहुत स्पष्ट है नशा करने वाले पीड़ित हैं हमें उनके प्रति संवेदनशील होना चाहिए और पीड़ितों को उनके पुनर्वास के लिए अनुकूल माहौल देना चाहिए। लेकिन मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एनसीबी पूरे देश में जांच कर सकती है। यदि अंतर-राज्यीय जांच करने की आवश्यकता है तब एनसीबी प्रत्येक राज्य की मदद करने के लिए तैयार है। यहां तक कि एनआईए भी राज्यों की मदद कर सकती है अगर देश के बाहर जांच की जरूरत है।

सोनिया गांधी ने चीन मुद्दे पर मोदी को घेरा तो किरेन रिजिजू ने याद दिलाया मनमोहन का कार्यकाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तवांग मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा आज भी जारी रहा तो दूसरी ओर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सीमा पर 'चीन के कथित अतिक्रमण' पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस महत्वपूर्ण विषय पर सरकार द्वारा संसद में चर्चा कराने से इंकार करना लोकतंत्र का अनादर है तथा इससे उसकी नीयत पता चलती है। सोनिया के इस आरोप पर पलटवार करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री और अरुणाचल प्रदेश से भाजपा सांसद किरेन रिजिजू ने कहा है कि 2005 में जब हम विपक्ष में थे और बॉर्डर के विषय को उठाया था तब प्रणब दादा और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मुझे बुलाकर कहा था कि भारत-चीन सीमा के मुद्दे संवेदनशील होते हैं इसलिए उसे उजागर न करके आंतरिक रूप से निपटना चाहिए।

हम आपको बता दें कि अब तक चीन मुद्दे पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ही मोदी सरकार को घेर रहे थे लेकिन आज सोनिया गांधी भी मैदान में उतर पड़ीं। उन्होंने कहा कि पूरा देश भारतीय जवानों के साथ खड़ा है, लेकिन सरकार के रुख के कारण राजनीतिक दलों और जनता को वास्तविक स्थिति के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। सोनिया गांधी ने पार्टी संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा, ''चीन का हमारी सीमा पर लगातार अतिक्रमण करना गंभीर का चिंता का विषय है। पूरा देश हमारे उन सजग जवानों के साथ खड़ा है जिन्होंने चीन के हमलों को मुश्किल हालात में विफल किया है।%% उन्होंने कहा कि सरकार इस पर संसद में चर्चा कराने से इंकार कर रही है। इसका नतीजा यह है कि राजनीतिक दल और जनता वास्तविक जमीनी स्थिति को लेकर अनभिज्ञ हैं। सोनिया गांधी ने कहा, %%जब बड़ी राष्ट्रीय चुनौती आती है तो संसद को विश्वास में लेने की परंपरा रही है क्योंकि चर्चा से कई महत्वपूर्ण सवालों पर प्रकाश डाला जा सकता है।'' उन्होंने दावा किया, ''गंभीर राष्ट्रीय चिंता के विषय पर चर्चा से इनकार करना लोकतंत्र के प्रति अनादर और सरकार की नीयत को दर्शाता है।''

उधर, सोनिया गांधी के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि 2008 में चीनी राष्ट्रपति जब भारत आए थे तब भी हमने चर्चा की मांग की थी लेकिन तब भी यही कहा गया था कि संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा नहीं होनी चाहिए और आज वही कांग्रेस इस मुद्दे पर बार-बार चर्चा की मांग कर रही है।

कोरोना के जिस बीएफ.7 वैरिएंट ने चीन में मचाई तबाही, भारत में भी मिले उसके 3 मरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना एक बार फिर से दुनिया को डराने के लिए तैयार है। चीन में ओमिक्रॉन के सब वैरिएंट बीएफ.7 की वजह से रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। अब गुजरात के वडोदरा में भी बीएफ 7 का एक केस दर्ज किया गया है। एक एनआरआई महिला इस वैरिएंट से संक्रमित है। गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र द्वारा भारत में बीएफ.7 के पहले मामले का पता चला। उन्होंने कहा कि अब तक गुजरात से दो मामले सामने आए हैं जबकि ओडिशा से एक मामला सामने आया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में हुई कोविड समीक्षा बैठक में विशेषज्ञों ने कहा कि हालांकि अभी तक कोविड मामलों की संख्या में समग्र वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन मौजूदा और उभरते रूपों पर नज़र रखने के लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता है। यहां आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, चीनी शहर वर्तमान में अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन स्ट्रेन की चपेट में हैं, ज्यादातर बीएफ.7 जो बीजिंग में फैलने वाला मुख्य प्रकार है और उस देश में कोविड संक्रमण के व्यापक उछाल में योगदान दे रहा है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि चीन में बीएफ.7 की उच्च संप्रेषणीयता को पिछले संक्रमण से चीनी आबादी में प्रतिरक्षा के निम्न स्तर और संभवतः टीकाकरण के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

जेडीयू नेता के घर से भारी मात्रा में शराब बरामद, सुशील मोदी बोले- शराबबंदी को सत्ताधारी पार्टी ही फेल कर रही है

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। बावजूद इसके बिहार से लगातार इस तरह की खबर आती है कि जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है। हाल में ही सारण में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई। उसके बाद से विपक्ष जबरदस्त तरीके से नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर हमलावर है। इन सब के बीच सारण जिले के मढ़ौरा इलाके में जदयू नेता कामेश्वर सिंह के नाम से दर्ज मकान से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई है। अब इसके बाद एक बार फिर से विपक्ष जदयू पर हमलावर हो गया है। खबर के मुताबिक कामेश्वर सिंह के मकान में सरोज महतो अपनी पत्नी के साथ किराएदार के रूप में रहता था। फिलहाल इस मामले को लेकर एक महिला को हिरासत में लिया गया है।

नाम सामने आने के बाद जदयू नेता रामेश्वर सिंह का भी बयान सामने आया है। अपने बयान में कामेश्वर सिंह ने कहा कि मुझे यह बात मीडिया के जरिए पता चली है। मैंने 32 साल पहले ही वह घर छोड़ दिया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए कि हमारी सरकार को बदनाम करने के लिए वह बोतले किसने वहां रखी है। दूसरी ओर अब भाजपा इस खबर को लेकर नीतीश सरकार पर हमलावर हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने दावा

किया है कि राजद और जदयू के कई लोग शराब के कारोबार से जुड़े हुए हैं।

सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि राजद एमएलसी रामबली सिंह चंद्रवंशी ने एक स्टिंग ऑपरेशन में कहा कि उनके नेता तेजस्वी यादव खुद शराब पीते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी को सत्ताधारी पार्टी ही फेल कर रही है। दूसरी ओर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सारण जिले के जहरीली शराब मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फरमान पर राज्य में नीतीश कुमार सरकार को ''बदनाम'' करने के लिए चलाए जा रहे ''दुष्प्रचार'' का हिस्सा है। आपको बता दें कि बिहार सरकार ने जहरीली शराब पीने से सारण में 38 लोगों की मौत की पुष्टि की है। भाजपा का दावा है कि सौ से अधिक लोगों की इस घटना में मौत हुई है।

भारत जोड़ो यात्रा में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने के सुझाव पर कांग्रेस भड़की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। चीन में कोरोना वायरस के कारण मचे हाहाकार को देखते हुए केंद्र सरकार भी सतर्क हो गई है। सभी नागरिकों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है। लेकिन यहां ध्यान रखा जाना चाहिए कि सिर्फ नागरिकों के ही सतर्क रहने से काम नहीं चलेगा नेताओं को भी सतर्कता बरतनी चाहिए और अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए।

भारत कोरोना की कई लहरें देख चुका है उसकी पीड़ा सह चुका है इसलिए अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। इसलिए यदि सरकार ने कांग्रेस को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा है या इस यात्रा को निलंबित करने पर विचार करने को कहा है तो कांग्रेस को चाहिए कि इस विचार को अन्यथा न लेकर इस पर गंभीरता से विचार करे। कांग्रेस को समझना होगा कि भारत को जोड़े रखना भी जरूरी है और भारत का स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। इसलिए इस यात्रा के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होते ही हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु कोरोना संक्रमित हो गए। ध्यान देने की बात है कि क्या कांग्रेस ने उसके बाद उन तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं का कोरोना टेस्ट कराया जोकि हिमाचल के मुख्यमंत्री के आसपास या उनके साथ थे। कहीं ऐसा नहीं हो जाये कि कोई संक्रमित कार्यकर्ता अन्य राज्यों में भी संक्रमण फैला दे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की ओर से जो पत्र राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजा गया है उसे सकारात्मक रूप में लेकर कांग्रेस को आज ही इस यात्रा के बारे में फैसला करना चाहिए। कांग्रेस नेता सुझावों को खारिज करते हुए कह रहे हैं कि सरकार और भाजपा भारत जोड़ो यात्रा से डर गयी है उन्हें समझना होगा कि डर यात्रा से नहीं है डर इस बात से है कि कहीं यह यात्रा संक्रमण को फैलाने वाली न हो जाए।

हम कर्नाटक में उसी तरह से प्रवेश करेंगे जैसे चीन ने लद्दाख में प्रवेश किया : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के नेता संजय राउत अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। हाल में ही कर्नाटक और महाराष्ट्र का सीमा विवाद काफी सुर्खियों में रहा है। दोनों ही राज्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। एक दूसरे राज्य के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहे हैं। इस बीच शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि हम कर्नाटक में उसी तरह से प्रवेश करेंगे जैसे चीन ने लद्दाख में प्रवेश किया है।

उन्होंने कहा इस मुद्दे पर किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। हम चर्चा के जरिए इसे सुलझाना चाहते हैं। लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री इसमें आग लगा रहे हैं। संजय राउत ने महाराष्ट्र सरकार को कमजोर करार दिया और कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर कोई स्टैंड नहीं ले रही है। आपको बता दें कि सीमा विवाद को लेकर एकनाथ शिंदे और उनकी सरकार को लगातार विपक्ष की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र के विधानसभा में भी विपक्ष सरकार को घेर रही है। हाल में ही दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ बैठक हुई थी। संजय राउत ने हालांकि यह भी कहा है कि यह देश एक है और मसले का हल बातचीत से होना चाहिए।

कुंभ 2025 के प्रारंभ होने से पहले मां गंगा को अविरल-निर्मल बनाने का संकल्प पूरा होगा

-प्रदेश में 85 हजार हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती हो रही

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मां गंगा उत्तर प्रदेश को प्रकृति प्रदत्त अनुपम उपहार हैं। गंगा जी के बहाव के सर्वाधिक क्षेत्र उत्तर प्रदेश में है। यह हमारी आस्था का केंद्र बिंदु हैं तब वहीं अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार भी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रयागराज कुंभ 2025 के प्रारंभ होने से पहले तक मां गंगा को अविरल-निर्मल बनाने का संकल्प पूर्ण करना होगा। नदियों को सीवरेज के गंदगी और पानी को विषाक्त होने से बचाने के लिए एसटीपी लगाए जाने की कार्यवाही में तेजी की अपेक्षा है। आज गंगा नदी में डॉल्फिन की वापसी हुई है तब तकनीक का प्रयोग कर नदियों को स्वच्छ बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे परियोजना गंगा के साथ साथ सहायक नदियों के

लिए भी है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यहां अभूतपूर्व कार्य हुआ है। कानपुर के जाजमऊ और सीसामऊ में गंगाजी में गंदे पानी को गिरने से रोकने के लिए प्रभावी प्रयास किया गया है। आज यह सेल्फी पॉइंट बन गया है। उन्होंने कहा कि अर्थ गंगा अभियान का सर्वाधिक लाभ उन करोड़ों लोगों को होगा जिनकी आजीविका गंगा पर ही निर्भर है। अर्थ गंगा से सकल घरेलू उत्पाद में 3 फीसद का योगदान होने के लक्ष्य के साथ हमें ठोस प्रयास करना होगा। विशेषज्ञों की सहायता से इसे एक मॉडल के रूप में विकसित करने के लिए प्रयास किये जाएं।

इतना ही नहीं सीएम योगी ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और विषमुक्त खेती को बढ़ावा देने के मकसद से राज्य सरकार ने गंगा के दोनों तटों पर 5-5 किलोमीटर तक प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। प्रदेश में 27 जनपद गंगा से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा बुंदेलखंड के सात जिलों में प्राकृतिक खेती के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। वर्तमान में लगभग 85 हजार हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती हो रही है। इस बार यहां उत्पादन अच्छा हुआ है। योगी ने कहा कि अब तक प्रदेश में 66180 हेक्टेयर क्षेत्र को जैविक खेती तहत लाया गया है। एक लाख से अधिक किसान जैविक खेती से लाभान्वित हो रहे हैं।

26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद भी समुद्री सुरक्षा को लेकर भारी लापरवाही

-नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने कहा है कि 26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद सुरक्षा मामलों पर मंत्रिमंडल की समिति ने फरवरी 2009 में तटीय एवं अपतटीय नौसेना परिसम्पत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को तीन वर्षों में सुदृढ़ बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी लेकिन इसके लिये अनुकूल एवं सहयोगी ढांचा तैयार करने में देरी ने इस पहल को 'कमजोर' किया। संसद में पेश कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि सागर प्रहरी बल (एसपीबी) में तीव्र अंतरग्रहण पोत (एफआईसी) को13 से 61 महीने की देरी से शामिल किया गया। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति द्वारा संकल्पित आधारभूत ढांचे कई नौसैन्य बंदरगाहों को पिछले जून तक उपलब्ध नहीं थे।

इसमें कहा गया है कि मुंबई 26-11 आतंकी हमले के बाद सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति (फरवरी 2019) द्वारा तीन साल के भीतर सागर प्रहरी बल गठित करने तथा तटीय एवं अपतटीय नौसेना परिसम्पत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का महत्व इसके लिये अनुकूल एवं सहयोगी ढांचा तैयार करने में देरी के कारण कमजोर हुआ।

कैग ने बताया कि बूस्ट गैस टर्बाइन (बीजीटी) नौसेना के निर्देशों के तहत तय मात्रा से अधिक रखा गया। इसके साथ ही बीजीटी का आर्डर देने से पहले जहाजों को सेवा से हटाने और स्टॉक की स्थिति को भी ध्यान में नहीं रखा गया। इसके परिणामस्वरूप 213.96 करोड़ रूपये मूल्य के नए खरीदे गए बीजीटी का अधिशेष हो गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में खुला कनेक्शन PNB घोटाले

व्यापारी वसंत गजेरा से की मेहुल चोकसी की धोखाधड़ी, अदालत ने गजेरा की परमानेंट स्टे छूट की याचिका खारिज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के बड़े उद्योगपति वसंत गजेरा देश के सबसे बड़े पीएनबी के मालिक हैं। बैंक फ्रॉड घोटाले में शामिल होने का सच सामने आया है। वसंत गजेरा पर उमरा थाना क्षेत्र में चल रहे भूमि विवाद मामले में दायर याचिका के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है. जिसमें वसंत गजेरा ने जमीन मामले में तारीख पर पेश नहीं होने के क्रम में स्थायी हाजिरी से छूट के लिए आवेदन किया था. कोर्ट ने खारिज कर दिया है. स्थाई स्थगन छूट की इस याचिका की सुनवाई के दौरान नामदार कोर्ट के सामने यह तथ्य सामने आया है कि सूरत के वसंत गजेरा का पीएनबी धोखाधड़ी के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी से सीधा संबंध था और उसने उसके साथ कई धोखाधड़ी की थी.

इस घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है,देश में अब तक कई बड़े बैंक घोटाले सामने आ चुके हैं. उनमें से सबसे बड़ा घोटाला पंजाब नेशनल बैंक के साथ किया गया घोटाला है। सीबीआई अभी जांच कर रही है। करोड़ों रुपये के इस बैंक घोटाले का मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी देश छोड़कर विदेश भाग गया है। उस वक्त सीबीआई की टीम उस देश में पहुंच चुकी है जिसके साथ उसने यह घोटाला किया है और उसे गिरफ्तार कर उसके

खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है.

गजेरा को आरोपी नंबर 6 के तौर पर पेश किया गया है

. इन सबके बीच सूरत कोर्ट में एक बेहद अहम जानकारी सामने आई है. जो अब तक कोई नहीं जानता था वह सूरत की अदालत से सामने आया है। पीएनबी बैंक घोटाला करने वाले मेहुल चोकसी से मुलाकात में सूरत के जाने-माने कारोबारी वसंत गजेरा का नाम भी सामने आया है. वसंत गजेरा को सीबीआई पहले भी गिरफ्तार कर चुकी है और आरोपी नंबर छह के तौर पर सीबीआई कोर्ट में पेश भी कर चुकी है। इतने सालों के बाद इसका खुलासा कैसे हुआ ?

सूरत के व्यवसायी वसंत गजेरा का उमरा थाना क्षेत्र में जमीन को लेकर विवाद है। जिसमें उसके खिलाफ वेसू गांव में जमीन हड़पने का मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें वसंत गजेरा ने सूरत के नामदार कोर्ट में तारीख पड़ने पर अनिवार्य रूप से पेश नहीं होने के लिए अर्जी दाखिल की थी। स्थाई स्थगन छूट के इस आवेदन के दौरान, शिकायतकर्ता के वकील ने साक्ष्य प्रस्तुत किया कि वसंत गजेरा बहुत गंभीर अपराधों में शामिल था और पीएनबी बैंक घोटाले में भी शामिल था। इसलिए उन्होंने स्थायी उपस्थिति की छूट नहीं देने का तर्क दिया।

सूरत की अदालत ने तमाम वैध सबूतों पर गौर करने के बाद अहम फैसला सुनाया है. जिसमें सीआरपीसी की धारा 205 के तहत स्थायी रूप से छूट की उसकी याचिका को सूरत नामदार कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

अभियोजन पक्ष के वकील ने कहां पेश किए सबूत उमरा भूमि विवाद मामले में अभियोजक के वकील शैलेश पटेल ने आज नामदार अदालत में गवाही के दौरान कहा कि इस मामले का मुख्य आरोपी वसंत गजेरा, सबसे बड़ा पीएनबी बैंक धोखाधड़ी, जनता के पैसे की धोखाधड़ी का मामला है.

भारत में मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी के साथ धोखाधड़ी में शामिल है इसके लिए सीबीआई की चर्चित अदालत ने आरोपी वसंत गजेरा को आपराधिक मामले में आरोपी नंबर छह के तौर पर अटैच भी किया है. पीएनबी बैंक धोखाधड़ी मामले में वसंत गजेरा को खुद मुंबई सीबीआई कोर्ट से जमानत मिलनी पड़ी थी। वकील शैलेश पटेल ने सूरत नामदार कोर्ट की इस दलील के दौरान ये सारे सबूत पेश किए हैं और इन सबूतों को पेश करने के साथ-साथ आधिकारिक रूप से यह खुलासा हुआ है कि पीएनबी बैंक घोटाले का सीधा संबंध सूरत से भी जुड़ा है.

सूरत के व्यवसायी के खिलाफ चल रहे मुकदमे के खिलाफ दलील देते हुए वकील शैलेश पटेल ने कोर्ट को बताया कि आरोपी वसंत गजेरा भी इसी तरह के अन्य जमीन हड़पने के अपराधों में शामिल है और चूंकि वसंत गजेरा का आरोपी है । देश का सबसे बड़ा पीएनबी बैंक घोटाला ऐसे प्रमाणित भूमि हड़पने वाले को अदालत में पेशी से कोई छूट नहीं दी जा सकती है। इस तरह के तर्कों को ध्यान में रखते हुए, सूरत नामदार कोर्ट ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 205 के तहत आरोपित वसंत गजेरा द्वारा स्थायी उपस्थिति से छूट के आवेदन को खारिज करते हुए एक आदेश पारित किया है।

पुलिस ने सचिन जीआईडीसी इलाके में चलाया सफल औचक तलाशी अभियान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस द्वारा अलग-अलग इलाकों में औचक कॉम्बिंग की जा रही है। कुछ दिनों पहले पुलिस ने सूरत के अमरोली, अडाजन, रांदेर इलाके में औचक कॉम्बिंग की गई थी। उसके बाद सूरत पुलिस ने पांडेसरा और खटोदरा में औचक कॉम्बिंग की। अब पुलिस ने सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में औचक कांबिंग की है।

40 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ 3ः30 घंटे औचक चेकिंग की गई

सचिन जीआईडीसी के विभिन्न क्षेत्रों में चलाये गये इस औचक तलाशी अभियान के तहत एसीपी, डीसीपी समेत पीआई, पीएसआई समेत 3 अलग-अलग टीमें बनाई गई थी। इन टीमों में 40 से ज्यादा पुलिस कर्मियों को रखा गया था। उस समय कुल 40 से अधिक पुलिस कर्मियों ने सचिन जीआईडीसी के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया था। पुलिस ने सभी जगहों पर अलग-अलग टीम बनाकर 3ः30 घंटे तक औचक पड़ताल की। जिसमें पुलिस को कई अपराधों का पता लगाने और अपराधों के पीछे इस्तेमाल किए गए हथियारों को पकड़ने में सफलता मिली है।

पुलिस ने 200 से अधिक के खिलाफ कार्रवाई की

पुलिस के औचक तलाशी अभियान में पुलिस ने सचिन जीआईडीसी क्षेत्र के शालीमार झुग्गी और सतवल्ला झुग्गी समेत अन्य इलाकों में सघन जांच की। इसके अलावा अन्य इलाकों की भी जांच की गई। कई लोगों के घरों की तलाशी ली गई। वाहनों की औचक चेकिंग की गई। इन तमाम कार्रवाइयों के बाद चाकू, धोखे के साथ पाये गये 11 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। 23 लोगों के खिलाफ धारा 107, 151 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की गई। शराब पीने के 10 मामले दर्ज किए गए। साथ ही 6 हिस्ट्रीशीटर की जांच की गई और दो फरार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पुलिस ने कुल 200 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। इस कार्रवाई में पुलिस ने कई हथियार और कई वाहन जब्त किए हैं।

कॉम्बिंग के दौरान पुलिस द्वारा किया गया ऑपरेशन

औचक कॉम्बिंग के दौरान पुलिस ने बिना नंबर प्लेट और खराब नंबर प्लेट वाले 105 वाहनों को पकड़ा। रैंबो चाकू, ईएफआरआई के आधार पर वाहन चोरी के एक अपराध का भी पता चला है। पुलिस ने बताया कि शहर में अपराध पर लगाम लगाने के लिए सचिन जीआईडीसी क्षेत्र के विभिन्न नाका बिंदुओं पर भी वाहन चेकिंग की गई। उच्च अधिकारियों के साथ अलग-अलग टीम बनाकर काम को अंजाम दिया गया।

कामरेज में 24.19 लाख से अधिक का मिलावटी घी जब्त, खाद्य एवं औषधि विभाग ने आगे की जांच के लिए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

एलसीबी पुलिस ने सूरत जिले के कामरेज से नकली घी बनाने के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कुल 24.19 लाख से अधिक की नकदी जब्त की है. अब पता चला है कि कामरेज पुलिस ने मामला दर्ज कर खाद्य एवं औषधि विभाग के सहयोग से आगे की कार्रवाई की है. सूरत जिला एलसीबी पुलिस के पीएसआई एमआर शकोरिया व आईए सिसोदिया को संयुक्त रूप से सूचना मिली कि प्लॉट नं. 301 व 302 में जनकभाई गजेरा व मनीषभाई गजेरा संदिग्ध घी उत्पाद की मात्रा तैयार कर

रहे हैं। गुप्त सूचना के आधार पर एलसीबी पुलिस ने छापा मारा तो गोदाम में ताड़ का तेल और अन्य तरल पदार्थ मिलाकर घी बनाने की गतिविधि चल रही थी. पुलिस ने तुरंत खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया और 24 लाख 19 हजार 500 मूल्य की डुप्लीकेट घी बनाने की सामग्री और घी के कंटेनर जब्त कर आगे की कार्रवाई की.

गुजरात में ओमिक्रोन वेरिएन्ट बीएफ-7 की एन्ट्री अहमदाबाद और वडोदरा में 1-1 केस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,चीन अमेरिका ब्राझील और जापान समेत कई देशों में कोरोना के मामले बढ़ने के बाद भारत सतर्क हो गया है। गुजरात में ओमिक्रोन वेरिएन्ट बीएफ-7 की एन्ट्री होने के बाद राज्य सरकार हरकत में आ गई है। अहमदाबाद वडोदरा में बीएफ-7 के एक-एक केस सामने आए हैं। वडोदरा के सुभानपुरा में आई 61 वर्षीय एनआरआई महिला की ओमिक्रोन वेरिएन्ट बीएफ-7 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वडोदरा में 3 लोगों का कोन्टेक्ट ट्रेसिंग किया गया है। वहीं अहमदाबाद के गोता क्षेत्र में ओमिक्रोन बीएफ-7 का एक केस सामने आया है। दुनिया के कई देशों में कोरोना के मामले फिर एक बढ़ने के बाद भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने देश की सभी राज्य सरकारों को पत्र लिख दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कोरोना के नए केसों के सैम्पल का जिनोम सिक्वसिंग करने और नए वेरिएन्ट पर नजर रखने का आदेश दिया गया है। केन्द्र सरकार के आदेश के बाद गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें वैक्सीनेशन समेत मुद्दों पर चर्चा की गई। गौरतलब है गुजरात में कोरोना के नए मामले लगातार घट रहे हैं। बीते दिन यानी 20 दिसंबर को राज्य में केवल 2 नए मामले सामने आए थे। जबकि सक्रिय मरीजों की संख्या मात्र 20 थी। 20 दिसंबर को एक केस अहमदाबाद और दूसरा बनासकांठा में दर्ज हुआ था। जबकि आज 6 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया।

गुजरात स्वास्थ्य विभाग अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर बढ़ाएगा कोविड टेस्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने राज्य में कोरोना की तैयारियों की समीक्षा की और अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर विदेशी आगमन की जांच बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की जहां मंत्री को राज्य की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। पटेल ने आवश्यकता पड़ने पर ट्रिपल टी दृष्टिकोण ट्रेसिंग टेस्टिंग और ट्रीटमेंट का पालन करने का भी निर्देश दिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) मनोज अग्रवाल ने कहा सभी प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को कहा जा रहा है कि वे दवाइयां और टीकों का पर्याप्त स्टॉक तैयार रखें साथ ही जो ऑक्सीजन प्लांट लगे हैं उनका परीक्षण करके उन्हें तैयार रखा जाए।

बालिका स्कूल में छात्रा के साथ छेड़छाड़ शिक्षक के खिलाफ पोक्सो के तहत मामला दर्ज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बोटाद,फिर एक बार शिक्षा जगत के शर्मशार करने वाले घटना सामने आई है। बोटाद जिले के राणपुर स्थित रूकमणी बालिका स्कूल में किशोरी के साथ छेड़छाड़ की घटना के बाद अभिभावकों में आक्रोश भड़क उठा है। स्कूल के शिक्षक पर छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। गत 16 और 17 सितंबर की इस घटना को लेकर राणपुर पुलिस ने स्कूल के शिक्षक के खिलाफ पोक्सो के तहत केस दर्ज किया है। छात्रा के पिता ने लंपट शिक्षक जावेद चुडेसरा के खिलाफ शिकायत की थी। जिसके आधार पर पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले जूनागढ़ जिले के मालिया हाटिना तहसील के अमरापुर गांव की स्कूल की एक छात्रा ने शिक्षक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। काफी समय से स्कूल का शिक्षक छात्राओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। स्कूल की 12 जितनी छात्राओं के साथ शिक्षक ने शारीरिक छेड़छाड़ की थी। शिक्षक पर आरोप था कि वह छात्राओं को क्लास में बुलाकर छेड़छाड़ करता था।

छात्राओं ने शिक्षक की करतूतों की शिकायत अपने अभिभावकों से की थी।जिसके बाद छात्रा और अभिभावकों ने स्कूल के आचार्य गिरीश लाडाणी से शिकायत की थी। बाद में अभिभावकों ने शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी को शिक्षक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी।

2023 से 6 वर्ष पूर्ण होने पर ही मिलेगा पहली कक्षा में प्रवेश एक दिन भी नहीं होना चाहिए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद, गुजरात के शिक्षा विभाग ने प्राथमिक स्कूल में कक्षा 1 में प्रवेश के लिए आयु सीमा तय कर दी है। वर्ष 2023 से पहली कक्षा में प्रवेश के लिए बच्चे की आयु 6 वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य होगी। अगर 6 वर्ष पूर्ण होने एक दिन भी कम होगा तो उसे पहली कक्षा में प्रवेश नहीं मिलेगा और प्रतीक्षा करनी होगी। प्रवेश की आयु में कोई छूट के सवाल पर प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने बताया कि इसकी कोई गुंजाईश नहीं है। क्योंकि यह परिपत्र तीन साल पहले जारी किया गया था और उसी प्रकार नर्सरी व केजी में बच्चों को प्रवेश देने का आदेश दिया गया था। दूसरी ओर इस नियम को लेकर शिक्षा कचहरी में अभिभावकों का कहना है कि 1 जून 2023 को 6 वर्ष पूर्ण होने में केवल 2-3 या एक सप्ताह का समय कम रहता है। जहां से एक ही उत्तर मिलता है कि 6 वर्ष पूर्ण होने में एक भी दिन कम होगा तो बच्चे को पहली कक्षा में प्रवेश नहीं मिलेगा।

पुलिसकर्मी ने अपनी कंडक्टर पत्नी की बस में ही गला रेत हत्या कर दी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

छोटाउदेपुर,एक पुलिसकर्मी ने बस में बतौर कंडक्टर सेवा करने वाली अपनी पत्नी की बस में ही गला रेतकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पत्नी की हत्या के बाद आरोपी पुलिस के आने तक घटनास्थल पर ही बैठा रहा। पुलिस ने आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। यह घटना छोटाउदेपुर जिले की जेतपुरपावी तहसील के भीखापुरा गांव की। जानकारी के मुताबिक मंगुबेन राठवा नामक महिला बस में बतौर कंडक्टर नौकरी करती थी। जबकि उसका पति अमृत राठवा पुलिस विभाग में सेवारत है। अमृत राठवा को अपनी पत्नी मंगु राठवा के चरित्र पर संदेह था। इस संदेह को लेकर अमृत राठवा ने भीखापुरा गांव में बस में घुसकर मंगु राठवा की गला रेतकर हत्या कर दी। पत्नी की हत्या के बाद अमृत राठवा फरार नहीं हुआ बल्कि घटनास्थल पर ही बैठा रहा। खबर मिलते ही पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और अमृत राठवा को गिरफ्तार कर लिया। मृतक महिला कंडक्टर मंगु राठवा के शव को एम्ब्युलैंस 108 के जरिए पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरूकर दी।